

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अब तक धान की बोनी 93 फीसदी, बारिश होती रही तो बंपर होगी फसल

ड्रोन फोटो: रिजवान कुरैशी

खरीफ सीजन की सभी फसलों की बोनी 89 फीसदी पूरी

छत्तीसगढ़ में मानसून की स्थिति अच्छी होने से खरीफ फसलों की बोनी का काम तेजी से जारी है। अब तक प्रदेश में कुल 43.23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी पूरी हो चुकी है। यह कुल निर्धारित लक्ष्य 48.69 लाख हेक्टेयर का लगभग 89 प्रतिशत है।

6 कर्मचारी चयन मंडल ने तृतीय और चतुर्थ श्रेणी भर्ती के लिए जारी किए नए नियम

जितनी सीटें, उतने ही कैंडिडेट, नौकरियों में अब नहीं बनेगी वेटिंग और रिजर्व लिस्ट

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा वाले पदों में रिक्तियों के 15 गुना अभ्यर्थी अगले चरण में जाएंगे, लेकिन अंतिम चयन केवल रिक्त और घोषित पदों के बराबर ही होगा। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अंतिम चयन के बाद कोई वेटिंग, परीक्षा या रिजर्व सूची नहीं बनेगी। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्रशासन विभाग ने कर्मचारी चयन मंडल नियम, 2026 जारी कर दिए हैं। आदेश में परीक्षा से लेकर नियुक्ति तक की पूरी प्रक्रिया और अलग-अलग चरणों की समयसीमा तय की है। नई व्यवस्था में आवेदन से पहले अभ्यर्थी को कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट पर आधार प्रमाणिकरण के साथ प्रोफाइल रजिस्ट्रेशन करना होगा। आवेदन के दौरान पद, विभाग और नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी के स्तर पर प्राथमिकता क्रम ▶▶शेष पेज 6 पर



छत्तीसगढ़ में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की सरकारी नौकरी पाने की प्रक्रिया अब पहले से ज्यादा स्पष्ट, लेकिन अभ्यर्थियों के लिए ज्यादा सख्त होगी। आवेदन करते समय ही पद और विभाग की पसंद तय करनी होगी, बाद में इसे बदला नहीं जा सकेगा।

तृतीय-चतुर्थ श्रेणी भर्ती की नई चयन प्रक्रिया

जितने पद, उतने ही कैंडिडेट की अंतिम लिस्ट; न वेटिंग, न रिजर्व सूची

कोशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए रिक्तियों के 15 गुना अभ्यर्थी बुलाए जाएंगे, अंतिम चयन में पदों की संख्या के बराबर ही नाम होंगे



नौकरी उतनी ही, जितने पद

अंतिम आबंटन सूची यानी सूची-ब में विज्ञापित रिक्तियों की संख्या के बराबर ही अभ्यर्थी होंगे। इसमें लिखित परीक्षा के अंक, अभ्यर्थी की पद प्राथमिकता और आरक्षण नियमों का आधार बनाया जाएगा। कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा वाले पदों में सूची-अ में शामिल उम्मीदवारों की सूची-अ में सूची-ब में जगह मिलेगी, जो दूसरे चरण में पात्र पाए जाएंगे। सूची-ब जारी होने के बाद कोई प्रतीक्षा सूची, परीक्षा सूची या रिजर्व सूची जारी नहीं होगी।

हर साल अगस्त में परीक्षा कैलेंडर

कर्मचारी चयन मंडल हर साल अगस्त में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों की रिक्तियों का परीक्षा कैलेंडर जारी करेगा। राज्य सरकार की अनिवार्य शैक्षणिक, व्यावसायिक प्रवेश या पात्रता परीक्षाओं का समाविष्ट कैलेंडर भी अगस्त में जारी किया जाएगा। भर्ती और व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए वर्ष 2026 में बनाए गए संबंधित कानून और कर्मचारी चयन मंडल के नियम लागू होंगे।

15 गुना तक पहुंचेंगे अगले चरण में

जिन पदों पर लिखित परीक्षा के बाद कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी, उनमें लिखित परीक्षा के आधार पर वर्गवार रिक्तियों के 15 गुना अभ्यर्थियों की सूची-अ तैयार होगी। दूसरे चरण की कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा केवल अर्हकारी यानी क्वालिफाइंग होगी। संबंधित विभाग को यह परीक्षा तीन महीने के भीतर पूरी करने होगी। इस परीक्षा में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता स्वतः निरस्त मानी जाएगी। परीक्षा के बाद विभाग पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की सूची मंडल को देगा। इसके आधार पर अंतिम परिणाम जारी होगा।

15 दिन में दस्तावेज नहीं तो चयन खत्म

अंतिम सूची में शामिल अभ्यर्थियों को 15 दिन के भीतर आधार प्रमाणिकरण पूरा कर दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। ऐसा नहीं करने पर अभ्यर्थिता निरस्त हो जाएगी। इसके बाद विभाग दस्तावेजों का मौखिक सत्यापन करेगा। दस्तावेजों में त्रुटि मिलने पर अभ्यर्थी को सूचना दी जाएगी और वह सात दिन के भीतर ऑनलाइन दस्तावेजों को सही कर सकेगा। विभाग को इसका निराकरण 15 दिन के भीतर कारणयुक्त आदेश से करना होगा। सूची-ब मिलने के बाद विभाग को दस्तावेज सत्यापन और नियुक्ति पत्र की प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरी करनी होगी। दस्तावेज सत्यापन के बाद नियुक्ति पत्र जारी करने के लिए 10 दिन की समयसीमा होगी। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद अभ्यर्थी को 30 दिन के भीतर मूल दस्तावेजों के साथ ▶▶शेष पेज 6 पर

परसहापारा से 200 ग्रामीणों का मोटर बोट से रेस्क्यू



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ लोरमी

वनांचल क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। राजीव गांधी जलाशय (खुड़िया बांध) में क्षमता से अधिक जलभराव के कारण कैचमेंट क्षेत्र से लगे ग्राम परसहापारा में रविवार को प्रशासन ने एसडीआरएफ की दो टीमों की मदद से करीब 200 ग्रामीणों को मोटरबोट से सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं ▶▶शेष पेज 6 पर



वनांचल में बाढ़ से हाहाकार

टूट सकता है पुराना रिकॉर्ड

खुड़िया बांध के पुराने रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2017 के बाद 2020 में वेस्ट वेयर से साढ़े आठ फीट तक पानी बहने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। इस वर्ष लगातार हो रही बारिश के चलते वेस्ट वेयर से पानी बहने की स्थिति को देखते हुए 2026 में नया रिकॉर्ड बनने का संभावना जताई जा रही है।

की जा रही निगरानी

बाढ़ प्रभावित वनांचल के करीब 200 लोगों को एसडीआरएफ की दो टीमों ने रेस्क्यू अभियान चलाया। 12 सदस्यीय दल ने मोटर बोट की मदद से प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मनियाारी नदी में बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अजीत पुजारी, एसडीएम

घरों में घुसा बाढ़ का पानी

भारी बारिश और बांध का जलस्तर बढ़ने से मंजूरहा और परसहापारा गांव चारों ओर से पानी से घिर गए। कई घरों में बाढ़ का पानी घुस गया। रविवार सुबह एसडीएम अजीत पुजारी के नेतृत्व में एसडीआरएफ की दो टीमों ने रेस्क्यू अभियान चलाया। 12 सदस्यीय दल ने मोटर बोट की मदद से प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मनियाारी नदी में बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अजीत पुजारी, एसडीएम

अशिमता ने जीता कोरिया मास्टर्स का खिताब



आसन सिटी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चलिहा ने रविवार को बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में चीन की हान कियान शी को हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता।

प्रदेश में पहली बार एक माह में बिके साढ़े छह हजार से ज्यादा ई-वाहन

एथेनाल को लेकर भी ग्राहक डरे उसका भी असर वाहनों की खरीद में

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल संकट और इसके बढ़ते दाम के कारण अब प्रदेश में ई-वाहनों की बिक्री की रफ्तार तेज हो गई है। लगातार बिक्री में इजाफा हो रहा है। पहली बार जुलाई में प्रदेश में साढ़े छह हजार से ज्यादा वाहन बिके हैं। इसमें करीब साढ़े तीन हजार दोपहिया और डेढ़ हजार तिपहिया वाहन हैं। कारों की बिक्री भी अब बढ़ रही है। एक माह में चार सौ के आसपास कारें बिक रही हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर में ▶▶शेष पेज 6 पर



जुलाई में बिके रिकॉर्ड वाहन

बीते माह जुलाई में रिकॉर्ड तोड़ ई-वाहन बिके हैं। 4526 दोपहिया वाहन बिके हैं। इसी के साथ 1590 तिपहिया वाहन बिके हैं। कारों के बिके जाने की रफ्तार तेज हो गई है। जहां तक पेट्रोल वाले वाहनों का सवाल है, तो पेट्रोल वाले दोपहिया वाहन 34360 बिके हैं। पेट्रोल वाले अन्य वाहनों में 5185 चारपहिया वाहन, ▶▶शेष पेज 6 पर



इलेक्ट्रिक वाहनों को विकल्प मान रहे ग्राहक

पेट्रोल में एथेनॉल की बढ़ती मात्रा को लेकर वाहन मालिकों के बीच बनी आशंकाओं का असर भी अब बाजार में दिख रहा है। ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर कई ग्राहक अपने पुराने पेट्रोल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन को विकल्प के रूप में देख रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन खरीदने वाले ग्राहक पेट्रोल की कीमत, उपलब्धता और ई-20 से जुड़ी चिंताओं के चलते ईवी की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

ई-वाहनों का शेयर 12 फीसदी

ई-वाहनों की बिक्री का शेयर अब देश भर में लगातार बढ़ रहा है। इसी के साथ अपने प्रदेश में भी इसका शेयर बढ़ रहा है। प्रदेश में जून में जो शेयर दस फीसदी से कम था, वह जुलाई में बढ़कर करीब 12 फीसदी हो गया है। प्रदेश में जुलाई में जो 53 हजार से ज्यादा वाहन बिके हैं, उसमें से साढ़े छह हजार ई-वाहन हैं।

मांग में हो रहा लगातार इजाफा

प्रदेश में ई-वाहनों की मांग में लगातार इजाफा हो रहा है। जुलाई में पहली बार साढ़े छह हजार वाहन बिके हैं। बाजार में ई-वाहनों का शेयर करीब 12 फीसदी हो गया है। आने वाले समय में बिक्री की रफ्तार और तेज होगी। - विवेक गर्ग, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ फाडा

आज से रात 9 बजे

SOCHNA PADEGA

Google Gemini

MARUTI SUZUKI

Co-present

KAUN BANEGA CROREPATI

Co-powered by

LPI

UltraTech

Stable money

PhonePe

Guwardhan

Special partners

POLYCAB

FIXIT

Colgate

Laxmiipati

SONY

ENTERTAINMENT TELEVISION

SONY

liv

बूढ़ातालाब को प्रदेश का सबसे सुंदर दर्शनीय स्थल बनाने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने दो फेज में 36 करोड़ रुपए खर्च कर तालाब का सौंदर्यीकरण कराया। पुराने धोबीघाट को वहां से हटाकर तालाब के चारों ओर परिक्रमा पथ बनाते हुए लोगों के लिए सुबह-शाम ताजी हवा में चहलकदमी करने सुंदर जगह तैयार कराई।

वेलनेस स्पा सेंटर का मैनेजर और महिला दलाल सहित 9 गिरफ्तार



भिलाई। स्मृतिनगर पुलिस चौकी अंतर्गत ली वेलनेस स्पा सेंटर जुनवाणी देह व्यापार का भंडाफोड़ हुआ है। मामले में पुलिस ने स्पा सेंटर के मैनेजर, महिला दलाल सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से करीब 4 लाख कीमत के 19 मोबाइल फोन और वाहकों से प्राप्त 1,900 रुपए कैश जब्त किया है। मौके से देह व्यापार के लिए आने वाले व्यक्तियों की जानकारी सहित आपत्तिजनक सामग्री, दस्तावेजी रिकॉर्ड भी जब्त किए गए हैं। स्मृतिनगर पुलिस की कार्रवाई के दौरान स्पा सेंटर मैनेजर तनय सोनी द्वारा पैसे लेकर देह व्यापार के लिए महिलाओं को उपलब्ध कराने तथा महिला दलाल हेमा सिंह उर्फ प्रीत के माध्यम से लड़कियां उपलब्ध कराए जाने की जानकारी सामने आई। मामले में पकड़े गए आरोपियों में महाराजा चौक पड़नामपुर निवासी तनय सोनी उम्र 23 वर्ष, राधिका नगर निवासी हेमा सिंह उर्फ प्रीत उम्र 32 वर्ष, जुनवाणी निवासी रूपेन्द्र जटेल उम्र 39 वर्ष, उरला दुर्गा निवासी रितिक सोनी उम्र 26 वर्ष, पोटिया दुर्गा निवासी दिनेन्द्र कुमार सोनी उम्र 27 वर्ष, चुंदानगर भिलाई निवासी हेमंत सिन्हा उम्र 28 वर्ष, कैलाश नगर जामुल निवासी अविनाश शर्मा उर्फ अर्मी उम्र 32 वर्ष, वैशालीनगर निवासी आनंद कुमार उम्र 31 वर्ष, स्मृति नगर निवासी अरुण पाण्डेय उम्र 24 वर्ष शामिल हैं।

ना चौपाटी खुली, न लोहे के भारी-भरकम कंटेनर टस के मस, परिक्रमा पथ है प्रयोगशाला

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

उसी परिक्रमापथ पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल से अनुबंधित एजेंसी ने लोहे से बने दर्जनभर से ज्यादा भारी भरकम कंटेनर रखकर पाथवे वाली जगह घेर ली। अब न वहां पैदल चलने वालों के लिए पर्याप्त जगह बची है, न ही शाम के समय वहां रोशनी का प्रबंध। चौपाटी के नाम पर दो साल से निजी एजेंसी द्वारा सजाए गए लोहे के कंटेनर वाली जगह पर न तो चौपाटी खुल पाई और न ही भारी-भरकम कंटेनर टस से मस हुए। महापौर मीनल चौबे ने चौपाटी की चार दुकानों के खुलने की शिकायत पर उसमें तालाबंदी जरूर कराई, पर लोगों के आने-जाने वाली जगह पर पाथवे घेरकर रखे कंटेनर नहीं हटवा पाई।

बूढ़ातालाब पाथवे तक को नहीं छोड़ा, अंधेरे में गुम स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा



विवादों में रही बूढ़ातालाब की चौपाटी

राजधानी का बूढ़ातालाब जहां पहले लोगों की आवाजाही के कारण खासी रौनक रहा करती थी, वह जगह वीरान पड़ी है। परिक्रमा पथ पर लाखों रुपए खर्च कर लगाई गई लाइटें एक अरसे से बंद पड़ी हैं। इससे इस मार्ग पर अंधेरा होने से सांझ दलते ही असामाजिक तत्वों का डेरा लगता है। चौपाटी और फूड जेन के निर्माण को लेकर भी स्थानीय रहवासियों, सामाजिक संगठनों और दानी स्कूल की छात्राओं ने खुलकर ऐतराज जताया था। महापौर मीनल चौबे भी दानी स्कूल की दीवार से लगी जगह पर चौपाटी के कंटेनर रखे जाने पर आपत्ति जता चुकी हैं।

अंधेरे में डूबा स्वामी विवेकानंद प्रतिमा स्थल

स्वामी विवेकानंद-सदर बाजार वार्ड के बूढ़ातालाब के मध्य नीलाम गार्डन के समीप युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की आदमकद भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। इस प्रतिमा के आसपास सुंदर रोशनी की व्यवस्था पूर्व में की गई, पर तालाब और उद्यान परिसर की देखरेख में लापरवाही के कारण नीलाम उद्यान परिसर अंधेरे में डूबा हुआ है। जिस जगह पर स्वामी विवेकानंद की ध्यान मग्न प्रतिमा विराजित है, वहां अंधेरा छाया हुआ है। गार्डन के सट्टी पाइंट वाले हिस्से को कई लाइटें बंद पड़ी हैं।

प्रभावित गांव पहुंचे कलेक्टर, सघन सर्वे व मॉनिटरिंग के निर्देश

उदयपुर के मतरिंगा क्षेत्र में मलेरिया का प्रकोप, मरीजों की संख्या 44 तक पहुंची

हरिभूमि न्यूज ►► अबिकापुर

सरगुजा के दूरस्थ क्षेत्र उदयपुर के मतरिंगा में मलेरिया का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले तीन महीने के भीतर क्षेत्र में लगभग 44 ग्रामीणों में मलेरिया पीएफ की पुष्टि हुई है। हालांकि इनमें से ज्यादातर मरीजों का उपचार हो चुका है और वर्तमान में सिर्फ तीन केस ही एक्टिव हैं जिनका उपचार जारी है। इस बीच हरिभूमि की खबर के बाद रविवार को कलेक्टर अजीत वसंत भी मलेरिया प्रभावित गांव पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर ने सुदूर बसाहट क्षेत्रों में सघन सर्वे कर नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र मतरिंगा, मुसरडांड पारा में मलेरिया के मरीजों की पुष्टि हुई थी। यह गांव जिले के अंतिम छोर पर बसा हुआ है और कोरबा जिले से लगा हुआ है। सुदूर वादिवासी क्षेत्र में मलेरिया के मरीज



स्थिति नियंत्रण में

उदयपुर के मतरिंगा क्षेत्र में मई से अब तक लगभग 44 केस सामने आए हैं और वर्तमान में सिर्फ तीन केस ही एक्टिव हैं। शेष मरीजों का समय रहते उपचार हो गया है। कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया है और आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। डॉ. पीएस मार्को, सीएमएचओ, सरगुजा

मिलने का मामला 6 मई को आया था। क्षेत्र से लगे केदमा पीएचसी में संभावित मरीज की जांच के दौरान मलेरिया पीएफ की पुष्टि हुई थी और उसके बाद से लगातार क्षेत्र में मलेरिया के मरीज मिलने का मामला सामने आ रहा है। इस दौरान खरानगर, मतरिंगा, मुसरडांड एवं मोकना पहाड़ क्षेत्र में शिविर लगाकर और घर घर अभियान चलाकर लोगों की जांच की गई और अब तक की जांच में लगभग 44

ग्रामीणों में मलेरिया की पुष्टि होने की बात सामने आई है। हालांकि अधिकारियों द्वारा 7 अगस्त तक की स्थिति में 34 मरीजों के होने की बात कही गई थी लेकिन अब अधिकारी 44 मरीज मिलने की बात कह रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि सभी मरीज 6 मई से तीन महीने के भीतर सामने आए हैं और वर्तमान में सिर्फ तीन मरीज ही मलेरिया से प्रभावित हैं और उनका उपचार चल रहा है।

देशभर के 32 फर्जी विवि की सूची जारी, छग से एक भी नहीं, सर्वाधिक 12 दिल्ली में

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देशभर के 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की है। इस सूची में छग से एक भी विश्वविद्यालय नहीं है। सर्वाधिक 12 विवि दिल्ली के हैं। ऑनलाइन लर्निंग, डिस्टेंस एजुकेशन और नए निजी विवि के बढ़ते दौर में कई छात्र बिना जांच-पड़ताल किए ऐसे संस्थानों में दाखिला ले लेते हैं जो असल में फर्जी होते हैं। ऐसे मामलों में छात्रों का समय, पैसा और भविष्य तीनों दांव पर लग जाते हैं। इसी खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने छात्रों और अभिभावकों के लिए यह अलर्ट जारी किया है। यूजीसी ने देशभर में 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की पहचान करते हुए उनकी सूची सार्वजनिक कर दी है। आयोग ने साफ कहा है कि इन संस्थानों की ओर से दी जाने वाली डिग्रियों की कोई मान्यता नहीं है।

यूजीसी के अनुसार देश में 32 ऐसे संस्थान संचालित हो रहे हैं जो बिना वैध अनुमति के खुद को विश्वविद्यालय बताकर छात्रों को डिग्री देने का दावा कर रहे हैं। ये संस्थान यूजीसी अधिनियम का उल्लंघन कर रहे हैं और इन्हें किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त नहीं है। ऐसे संस्थानों से मिलने वाली डिग्रियां सरकारी नौकरी, उच्च शिक्षा या किसी भी आधिकारिक उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होंगी। यूजीसी ने सभी छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय, कॉलेज या ऑनलाइन कोर्स में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता की पूरी जांच करें। आयोग का कहना है कि केवल आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी पर ही भरोसा करें। किसी भी संस्थान के प्रचार, सोशल मीडिया पोस्ट या भ्रामक विज्ञापन के आधार पर प्रवेश लेने से बचें।

विज्ञापनों से रहे सावधान

यूजीसी ने छात्रों को सलाह दी है कि किसी भी विश्वविद्यालय में दाखिला लेने से पहले केवल उसके विज्ञापन या सोशल मीडिया प्रचार पर भरोसा न करें। कई फर्जी संस्थान बड़े-बड़े दावे करते हैं, जैसे-कम फीस में डिग्री, 100 प्रतिशत प्लेसमेंट, घर बैठे पढ़ाई या जल्दी डिग्री मिलने का वादा। ऐसे ऑफर देखकर जल्दबाजी में एडमिशन लेना नुकसानदायक हो सकता है। यूजीसी ने कहा, अगर आप किसी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने की तैयारी कर रहे हैं तो सबसे पहले उसकी मान्यता जरूर जांच लें। यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों की अलग-अलग सूची उपलब्ध है। यदि विवि का नाम इस सूची में शामिल है तभी उसे मान्यता प्राप्त माना जाएगा।

मातृभूमि की शान तिरंगा
हर भारतीय की जान तिरंगा

भारत
तिरंगा यात्रा

मुख्य अतिथि
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

दिनांक : 10 अगस्त 2026, सोमवार
समय : प्रातः 09:00 बजे
स्थान : रायपुर के इन्डोर स्टेडियम बूढ़ापारा से सुभाष स्टेडियम तक

आइए, देशभक्ति की अलख जगाएं

हर घर तिरंगा फहराएं

चिंतन सीमा सुरक्षा के साथ सतर्कता भी जरूरी

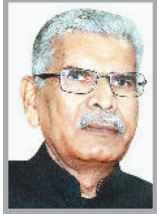
भारत-पाकिस्तान सीमा पर अमृतसर के दाउके गांव में घुसपैठिए को बॉम्बस्फुट द्वारा मार गिराए जाने की घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि सीमा सुरक्षा में छोटी-सी चूक भी बड़ी चुनौती का रूप ले सकती है। कंटीली तार के पास संदिग्ध गतिविधि, जवानों की सतर्कता, चेतावनी और उसके बाद हुई फायरिंग पूरी घटना बताती है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बलों को हर समय सतर्कता बरतनी पड़ती है। सीमा पर यह घटना ऐसे समय हुई है, जब पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमताओं को तेजी से आधुनिक बनाने में जुटा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान ने भारत से लगे इलाकों में चीन निर्मित एसएच-15 व्हीलड सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्जर तैनात किए हैं। इनकी संख्या करीब 250 बताई जा रही है, हालांकि इस तैनाती की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन यदि यह आकलन सही है तो इसे केवल हथियारों की खरीद का मामला मानना उचित नहीं होगा। यह चीन और पाकिस्तान के बीच गहरे होते सैन्य एवं रणनीतिक सहयोग का एक और गंभीर संकेत है। एसएच-15 स्वचालित तोप ट्रक चेसिस पर आधारित है और शूट एंड स्कूट क्षमता के कारण गोलीबारी के बाद तेजी से स्थान बदल सकती है। इससे जवाबी गोलाबारी का जोखिम कम होता है। लंबी दूरी तक मार करने वाली ऐसी प्रणालियां सीमा के पास तैनात होने पर किसी भी सैन्य कर्ताओं में दोनों पक्षों के लिए प्रतिक्रिया का समय घटा सकती हैं। यही वह पहलू है, जिसे भारत को गंभीरता से देखना चाहिए। चीन-पाकिस्तान सैन्य सहयोग की कहानी नई नहीं है। चीन के लिए पाकिस्तान एक रणनीतिक साझेदार होने के साथ-साथ उसके रक्षा उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बाजार भी है, जबकि पाकिस्तान को अपेक्षाकृत कम लागत पर सैन्य आधुनिकीकरण और पश्चिमी देशों पर निर्भरता घटाने का अवसर मिलता है। भारत के लिए चुनौती इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसे एक साथ दो सीमाओं पर रणनीतिक परिस्थितियों पर नजर रखनी पड़ती है। पाकिस्तान की बढ़ती आर्टिलरी क्षमता, रॉकेट सिस्टम और अन्य सटीक मारक हथियारों के साथ चीनी तकनीक का मेल भविष्य के किसी संकट में सैन्य गणित को प्रभावित कर सकता है। अमृतसर की घटना इस बड़े परिदृश्य का जवाबी पहलू सामने रखती है। सीमा पर केवल भारी हथियारों की चुनौती नहीं है, बल्कि घुसपैठ, तस्करी, ड्रोन और संधिध गतिविधियों की निगरानी भी उसनी ही जरूरी है। इसलिए सीमा सुरक्षा को केवल जवानों की संख्या या हथियारों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। आधुनिक सेंसर, ड्रोन निगरानी, कैमरा नेटवर्क, बेहतर खुफिया तंत्र और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच तेज सूचना-साझाकरण को और मजबूत करना होगा। भारत को पाकिस्तान की हर गतिविधि पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपनी निवारक क्षमता को इतना मजबूत करना होगा कि किसी भी संभावित दुस्साहस की कीमत स्पष्ट हो। साथ ही, संधिध घुसपैठ की घटनाओं में सख्त कार्रवाई के साथ निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच भी जरूरी है। चीन-पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य तालमेल भारत के लिए निश्चित रूप से सतर्क रहने का संकेत है, लेकिन इसे अनावश्यक भय का कारण बनाना भी उचित नहीं। भारत की वास्तविक ताकत उसकी तकनीकी क्षमता, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, खुफिया तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया में है। सरहद पर चौकसी जितनी भी जरूरी है, उतनी ही जरूरी दूरदर्शी रणनीति भी है। सीमा की सुरक्षा केवल कंटीली तार से नहीं, बल्कि मजबूत निगरानी, आधुनिक तकनीक और हर संभावित खतरे के लिए तैयार रणनीति से सुनिश्चित होगी।

मेटा पर सख्ती डॉ. मोनिका शर्मा



सुरक्षा-सम्मान से जुड़ी जवाबदेही लेनी होगी

मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर डिजिटल होते जीवन में भी वचुंअल प्लेटफॉर्म नियमों से परे नहीं हो सकते। विशेषकर नागरिकों और देश की सुरक्षा के मामलों में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल ही में भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यही बात स्पष्ट रूप कही है कि देश में काम करने वाले सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। ध्यााव्य है कि सरकार द्वारा मेटा कंपनी से एआई, डीपफेक, बाल यौन शोषण सामग्री और कंटेंट मॉडरेशन पर भी जवाब मांगा गया है। आईटी नियमों को और सख्त करने का प्रस्ताव रखने के साथ ही कई अहम मुद्दों पर विस्तार से हुई चर्चा के बाद मेटा ने यह भी स्वीकार किया कि बहुत सारा गैरकानूनी कंटेंट प्रमोट किया गया और खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन किए गए। ज्ञात हो कि इन्हीं दिनों फेसबुक और इंस्टाग्राम की मनमानियों पर अमेरिकी अदालत ने भी एक अहम निर्णय दिया है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ और सुरक्षा में गंभीर चूक के बाद मेटा को अरबों रुपयों का हर्जाना भरने का आदेश दिया गया है। यह सख्त निर्णय इस कंपनी द्वारा अपने फायदे के लिए बच्चों की सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक सेहत को पूरी तरह दरकिनार करने के गंभीर आरोपों के बाद आया है गौरतलब है कि व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम एवं फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फेसबुक पोस्ट को भी कुछ समय के लिए हटाने के साथ-साथ बच्चों के यौन शोषण वाले कंटेंट, डीपफेक और बहुत सारा पेसा लेकर कुछ खास सामग्री को बढ़ावा देने जैसी खामियों के लिए माफ़ी मांगी है। ज्ञात हो कि जेन जी आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुवाओं से की गई अपील वाले वीडियो संदेश मेटा ने हटा दिया था। मोदी की पोस्ट को तकनीकी समस्या (ऑटोमेटेड फ़िल्टर की त्रुटि) को इसका कारण बताकर कुछ देर बाद कुछ खास सामग्री को बढ़ावा देने जैसी खामियों को एक शीर्ष अदालत के बाद अमेरिका में भी मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने सार्वजनिक रूप से गलती मानते हुए प्लेटफॉर्म पर चालूड सेक्सुअल अब्यूज से जुड़ी सामग्री को रोकने में व्यवस्थागत असफलता की बात स्वीकार की है। साथ ही इस लापरवाही के लिए सुरक्षा प्रणालियों को बेहतर बनाने का आश्वासन भी दिया है। दरअसल, बात माफ़ी मांगने से कहीं ज्यादा जवाबदेही लेने की है। इसके लिए कड़े नियम भी जरूरी हैं और मेटा कंपनी में दायित्वबोध का भाव भी। हालिया वर्षों में देश में होने वाली राजनीतिक घटनाएं हों या चर्चित चेहरों जुड़ा कंटेंट। बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री हो या कंटेंट मॉडरेशन अपने फायदे के अनुसार नकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखती है। यही वजह है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी सोशल मीडिया कंपनी मेटा को कथित पोर्नोग्राफी और अनुचित आयुवर्ग से संबंधित सामग्री अपने प्लेटफॉर्म पर दिखाने के विरुद्ध नोटिस जारी किया है। इसका सीधा सार अर्थ है कि इन प्लेटफॉर्म पर पॉक्सों कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि यह नोटिस इंस्टाग्राम और फेसबुक पर चालूड सेक्सुअल अब्यूज मटेरियल की श्रेणी के तहत आ सकते हैं। ज्ञात हो कि 2025 में भी सोशल मीडिया पर बच्चों के अश्लील वीडियो परोसे जाने को लेकर सरकार ने आपत्ति जताई गई थी। बावजूद इसके ऐसी सामग्री को लेकर लापरवाही जारी है। समझना मुश्किल नहीं कि हमारे देश में ही नहीं, दुनियाभर में एल्गोरिदम का खेल खेलने वाली टेक कंपनी मेटा के सभी मंचों पर मुनाफे की सोच हावी है। विचारणीय है कि हमारे देश में सोशल मीडिया पर परोसी या प्रमोट की जाने वाली सामग्री से कई चिंताएं और चुनौतियां जुड़ी हैं। भारत में अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैस व्हाट्सएप पर करीब 56 करोड़, यू-ट्यूब पर करीब 50 करोड़, इंस्टाग्राम पर 48 करोड़, फेसबुक पर 40 करोड़, स्मैपचेट पर 21 करोड़ और एसएम पर 2 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। इतमें यूजर्स में युवाओं की संख्या ज्यादा है। अकेले इंस्टाग्राम पर 18 से 24 आयु वर्ग के 64 प्रतिशत युवा हैं। ऐसे में यहां साझा की जा रही सामग्री न केवल देश की बड़ी आबादी को प्रभावित करती है बल्कि सामाजिक-पारिवारिक और राजनीतिक परिवेश की दिशा से जुड़ी है। यही वजह है कि इनके नैतिक दायित्वों को याद दिलाने के साथ ही सख्त नियम बनाने और उनका पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक हो चला है। मेटा कंपनी के मनमानी रवैए पर केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत में उसके जितने भी डिजिटल प्लेटफॉर्म काम कर रहे हैं, उन्हें भारतीय कानून का पालन करना ही होगा। साथ ही इस पहलू से जुड़ी चिंताओं के समाधान के लिए हर कदम उठाना होगा। (लेखिका उत्पन्न संस्कार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



शिक्षा के पंचतत्व प्रो. रमेश चंद्र कुहाड़

प्रश्नपत्र लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं तथा प्रवेश प्रक्रियाओं को लेकर उत्पन्न विवादों ने करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में गहरी चिंता उत्पन्न की है । वर्षों की कठोर साधना, अथक परिश्रम और असंख्य सपनों का भविष्य जब कुछ क्षणों में संदेह के घेरे में आ जाता है, तब सबसे अधिक आहत विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता होती है । यह स्थिति केवल प्रशासनिक त्रुटि या तकनीकी विफलता का परिणाम नहीं, शिक्षा व्यवस्था की संरचना, उत्तरदायित्व और संस्थागत स्वायत्तता पर गंभीर पुनर्विचार का आह्वान भी है । इन चुनौतियों का समाधान केवल कठोर कानूनों, दंडात्मक प्रावधानों अथवा आधुनिक तकनीकी निगरानी में नहीं खोजा जा सकता ।

शिक्षा संस्थानों की अभिरथा का पुनर्निर्माण

कि सी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों, आर्थिक संपन्नता अथवा तकनीकी प्रगति में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षित, जागरूक, नैतिक और उत्तरदायी युवा पीढ़ी में निहित होती है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व, समाज की संस्कृति और राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करने वाली सबसे प्रभावशाली शक्ति है। इसलिए जब शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तब संकट केवल किसी परीक्षा, विश्वविद्यालय अथवा संस्था का नहीं होता; वह राष्ट्र के भविष्य, सामाजिक विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता का संकट बन जाता है।

हाल के वर्षों में प्रश्नपत्र लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं तथा प्रवेश प्रक्रियाओं को लेकर उत्पन्न विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में गहरी चिंता उत्पन्न की है। वर्षों की कठोर साधना, अथक परिश्रम और असंख्य सपनों का भविष्य जब कुछ क्षणों में संदेह के घेरे में आ जाता है, तब सबसे अधिक आहत विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता होती है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक त्रुटि या तकनीकी विफलता का परिणाम नहीं है; यह शिक्षा व्यवस्था की संरचना, उत्तरदायित्व और संस्थागत स्वायत्तता पर गंभीर पुनर्विचार का आह्वान भी है। इन चुनौतियों का समाधान केवल कठोर कानूनों, दंडात्मक प्रावधानों अथवा आधुनिक तकनीकी निगरानी में नहीं खोजा जा सकता। स्थायी समाधान तभी संभव है, जब शिक्षा की मूल आत्मा, उसकी संस्थागत संरचना और शैक्षणिक उत्तरदायित्व को पुनः सुदृढ़ किया जाए। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था पांच आधारभूत तत्व-प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम पर आधारित है। यदि इनमें से कोई भी तत्व शिक्षा संस्थानों के नैतिक और शैक्षणिक नेतृत्व से बाहर चला जाता है, तो उत्तरदायित्व का स्वाभाविक क्षरण प्रारम्भ हो जाता है। उत्तरदायित्व का यह विखंडन अंततः पारदर्शिता को कमजोर करता है और वही परिस्थितियां प्रश्नपत्र लीक, अनियमितताओं तथा जनविश्वास के ह्रास जैसी समस्याओं को जन्म देती हैं। वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था के अनेक महत्वपूर्ण कार्य विभिन्न बाहरी एजेंसियों के बीच विभाजित होते जा रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया कोई संस्था संचालित करती है, प्रश्नपत्र किसी अन्य एजेंसी द्वारा तैयार किए जाते हैं, परीक्षा किसी तीसरे तंत्र के माध्यम से आयोजित होती है और परिणाम भी कई स्तरों की बाहरी व्यवस्थाओं पर निर्भर हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में उत्तरदायित्व का स्पष्ट निर्धारण कठिन हो जाता है। जब उत्तरदायित्व बिखरता है, तब पारदर्शिता और जवाबदेही भी स्वतः कमजोर पड़

जाती है। परिणामस्वरूप किसी त्रुटि अथवा विफलता की स्थिति में दोष तो दिखाई देता है, परंतु उत्तरदायी व्यक्ति या संस्था स्पष्ट रूप से सामने नहीं आती। शिक्षा केवल परीक्षा आयोजित करने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है। यह शिक्षक, विद्यार्थी, पाठ्यक्रम, शोध, संवाद, मूल्यांकन और सतत बौद्धिक विकास के बीच निरंतर चलने वाली एक जीवंत प्रक्रिया है।

शिक्षक केवल विषय-विशेषज्ञ नहीं होता; वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्माता होता है। यदि प्रवेश से लेकर परिणाम तक की संपूर्ण प्रक्रिया में शिक्षा

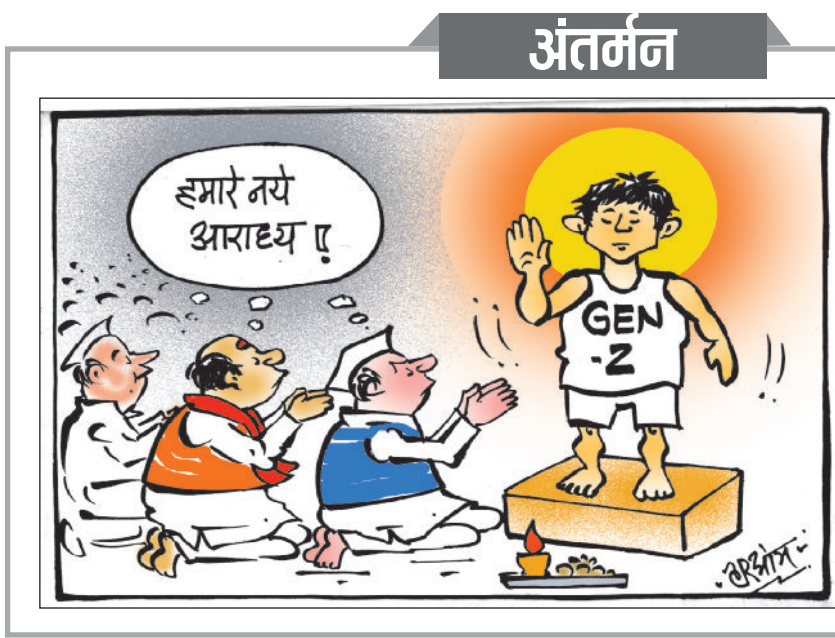


संस्थानों की भूमिका सीमित कर दी जाएगी, तो धीरे-धीरे उनका शैक्षणिक महत्व भी कम होने लगेगा। तब विद्यालय और विश्वविद्यालय केवल भवन बनकर रह जाएंगे, जबकि शिक्षा का वास्तविक केंद्र उनका बौद्धिक वातावरण, नैतिक संस्कृति और अकादमिक परंपरा होती है। निस्संदेह विद्यार्थियों की सुविधा, समान अवसर और राष्ट्रीय स्तर पर एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनेक प्रवेश प्रक्रियाओं का केंद्रीकरण किया गया है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट जैसी व्यवस्थाओं ने विद्यार्थियों का समय, श्रम और आर्थिक व्यय कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किंतु अनुभव यह भी दर्शाते हैं कि अनेक विश्वविद्यालयों में अपेक्षित संख्या में विद्यार्थी प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं।

परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह जाती हैं और बार-बार ओपन काउंसलिंग आयोजित करनी पड़ती है। यह केवल प्रवेश प्रक्रिया का प्रश्न नहीं, बल्कि संस्थागत उत्तरदायित्व, स्थानीय शैक्षणिक आवश्यकताओं और विश्वविद्यालयों की सक्रिय भूमिका से भी जुड़ा विषय है। अतः आवश्यकता किसी एक छोर पर खड़े होकर केंद्रीकरण या विकेंद्रीकरण का समर्थन

जब मन अशांत हो, इष्टदेव के मंत्रों का करें जप

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।



करंट अफेयर

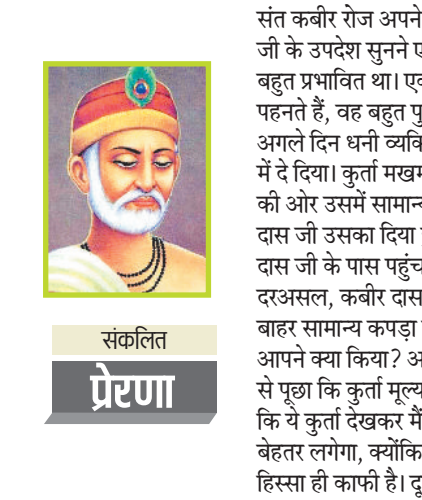
चीन में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका घटी

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) महिलाओं के अधिकारों की रक्षा को लंबे समय से अपनी उपलब्धियों में से एक बताती रही है। हालांकि, विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि चीन में हाल के वर्षों में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका घटी है, खासकर राजनीतिक और नीतिगत नेतृत्व में शीर्ष स्तरों पर। चीन में सतारूढ़ सीपीसी ने लैंगिक समानता के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत के तौर पर दशकों से माओ जेडोंग के इस प्रसिद्ध नारे को बढ़ावा दिया है कि महिलाएं आधा आसमान थामे हूय हैं। हालांकि, सीपीसी के मुखपत्र ‘पीपुल्स डेली’ में प्रकाशित विभिन्न लेखों के विश्लेषण पर आधारित एक नये अध्ययन की माने तो हाल के वर्षों में चीन के सरकारी मीडिया के विमर्श में बदलाव देखने को मिला है और इसमें मुख्य रूप से महिलाओं की घरेलू और पारिवारिक भूमिकाओं पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। सीपीसी दशकों से दावा करती आ रही है कि महिलाओं ने समाजवादी आधुनिकीकरण, सुधार और खुलापन लाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। हालांकि, हांगकांग स्थित दो शोधकर्ताओं के मुताबिक, चीन के सरकारी मीडिया में 1990 के दशक के अंत में महिलाओं के चित्रण में व्यापक बदलाव दिखना शुरू हो गया।



निजता को चुकानी पड़ सकती है। या इनसे रिकॉर्ड की गई तस्वीरें आखिर कौन देख सकता है। यही वजह है कि झुग्गवार को संघीय अर्टीनो-जनरल मिंगल रोलेंड ने ऑस्ट्रेलिया के निजता आयुक्त से इस तकनीक की तत्काल समीक्षा करने को कहा। तो क्या मौजूदा निजता कानून तकनीक की इस नयी लहर से निपटने के लिए पर्याप्त मजबूत है? स्मार्ट चश्मे कोई नयी चीज नहीं है। गूगल ने 2013 में ‘गूगल ग्लास’ पेश किया था। उस समय मीडिया में इसकी खूब चर्चा हुई और कई मशहूर हस्तियों ने भी इसका समर्थन किया।

कपड़े की उपयोगिता दिखावे के लिए नहीं



आँफ बीट

स्मार्ट चश्मे जिंदगी का हिस्सा बन रहे, खत्म होगी निजता

ऑस्ट्रेलिया की सड़कों पर ऐसे चश्मा पहने लोग अंखी खासी संख्या में दिख जाएंगे जिससे वे आसपास की तस्वीरें और वीडियो बेहद सहजता से रिकॉर्ड कर सकते हैं। इसकी बड़ी वजह ‘केमार्ट’ है, जिसने हाल में सस्ते /‘केमरा वाले चश्मे/ बाजार में उतारे हैं और ये देखते ही देखते बिक गए हैं। ये चश्मे ‘केमार्ट’ के अपने ब्रांड ‘आंको’ के हैं जिनकी कीमत महज 89 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है, जबकि ‘मेटा’ और ‘रे-बेन’ के इसी तरह के उत्पादों की कीमत 337 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से शुरू होती है। ‘केमरा वाले चश्मे’ को बड़े उपभोक्ता चलन में बदलने की इस कोशिश की एक कीमत है और वह कीमत चश्मा पहनने वाले की ही नहीं, बल्कि उसके आसपास मौजूद हर व्यक्ति की

करने की नहीं, बल्कि संतुलित और उत्तरदायी व्यवस्था विकसित करने की है। यदि राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाएं आवश्यक समझी जाती हैं, तो भी प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरणों, विषय चयन, शैक्षणिक परामर्श और प्रवेश प्रबंधन में विश्वविद्यालयों की भूमिका अधिक सशक्त होनी चाहिए। इससे शिक्षा के प्रथम पंचतत्व, प्रवेश का स्वाभाविक संबंध पुनः शिक्षा संस्थानों से स्थापित होगा। इसी प्रकार यदि सरकार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, सिविल सेवाओं अथवा अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रवेश परीक्षाओं की व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक समझती है तो उनकी शैक्षणिक विश्वसनीयता, गोपनीयता, निष्पक्षता और शुचित्ता का नेतृत्व शिक्षा संस्थानों तथा अनुभवी शिक्षकों के हाथों में होना चाहिए। आधुनिक तकनीक, सूचना-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी और सुरक्षा एजेंसियां इस प्रक्रिया के आवश्यक सहयोगी अवश्य हों, किंतु परीक्षा की शैक्षणिक आत्मा का केंद्र शिक्षक ही रहना चाहिए। एक विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली केवल तकनीकी दक्षता से निर्मित नहीं होती। उसके लिए शिक्षकों, प्रशासकों, सूचना-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों तथा शिक्षण कर्मचारियों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। फिर भी उसकी शैक्षणिक विश्वसनीयता का मूल आधार शिक्षक ही होता है। शिक्षक के लिए शिक्षण केवल आजीविका नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र और समाज के प्रति आजीवन नैतिक उत्तरदायित्व है। यदि हमें प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर स्थायी नियंत्रण स्थापित करना है, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पुनः स्थापित करनी है और समाज का विश्वास सुदृढ़ करना है, तो शिक्षा के पंचतत्व -प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम को पुनः शिक्षा संस्थानों की अभिरक्षा, उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व में प्रतिष्ठित करना होगा।

यही शिक्षा की गरिमा, शिक्षक की प्रतिष्ठा और विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य की सबसे सुदृढ़ आधारशिला है। भारत यदि ज्ञान-आधारित, नवाचारी और विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प रखता है, तो उसे शिक्षा को केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की सर्वोच्च संस्था के रूप में देखना होगा। प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम- ये पांचों पंचतत्व तभी अपनी पूर्ण सार्थकता प्राप्त करेंगे, जब उनका संचालन उत्तरदायी, स्वायत्त और नैतिक शैक्षणिक नेतृत्व के अंतर्गत होगा। यही शिक्षा की विश्वसनीयता, शिक्षक की गरिमा, विद्यार्थी के भविष्य और राष्ट्र के ज्ञान-आधारित विकास की सबसे सुदृढ़ आधारशिला है।

(लेखक हरियाण केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।



आरोपी का वकील पुलिस पूछताछ के दौरान हर समय मौजूद नहीं रह सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेसी ► नई दिल्ली

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 38 के दायरे को स्पष्ट करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रावधान गिरफ्तार व्यक्ति को पूछताछ के दौरान अपनी पसंद के वकील से मिलने का अधिकार तो देता है, लेकिन पूछताछ के पूरे समय वकील की लगातार शा री क मौजूदगी की बात नहीं करता है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की



अनुमति देने वाली शर्त बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर

यह नहीं है कि हर पूछताछ सत्र के दौरान वकील लगातार शारीरिक रूप से मौजूद रहे, चाहे वह कितनी भी दूरी (देखने या सुनने की दूरी) पर क्यों न हो। यह बेंच एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। यह अपील हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ थी, जिसमें आरोपी की पुलिस कस्टडी के दौरान जेल में दो वकीलों को नामित करने और उनकी मौजूदगी की अनिवार्य शर्त रखी गई। साथ ही 'आरोपी से पूछताछ के दौरान किसी भी समय' एक वकील को मौजूद रहने की अनुमति दी गई। राज्य ने सुप्रीम कोर्ट में इस शर्त को चुनौती देते हुए कहा कि यह बहुत ज्यादा है और इससे जांच में बाधा आती है।

बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर चला जाएगा

राज्य की दलील में दम पाते हुए जस्टिस संदीप मेहता द्वारा लिखे गए फैसले में राज्य की इस आशंका को सही माना गया कि लगाई गई शर्तों से आरोपी की कस्टडी में जांच में बाधा आएगी। कोर्ट ने कहा, हालांकि, यह निर्देश कि ऐसी मौजूदगी पूछताछ के दौरान किसी भी समय होनी चाहिए, अगर इसे लगातार मौजूदगी के बिना शर्त अधिकार के तौर पर समझा जाए तो यह बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर चला जाएगा।

वकील वहीं रहेगा, जहां से आरोपी को देख सके

नतीजतन, वकील की मौजूदगी की अनुमति देने वाली शर्त को इस बदलाव के साथ बरकरार रखा गया कि /'ऐसे वकील को केवल पूछताछ वाली जगह पर ही मौजूद रहने की अनुमति होगी, जहां से वह आरोपी को देख सके। इसके अलावा, कोर्ट ने पाया कि आरोपी से पूछताछ के दौरान वकील की मौजूदगी की अनुमति देने वाली शर्त बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर है।

न्यायिक अधिकारी सरकारी कर्मचारी नहीं उनकी रिटायरमेंट की उम्र अलग हो सकती है

एजेसी ► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारी सरकारी कर्मचारी नहीं होते और वे एक अलग और खास वर्ग बनाते हैं। कोर्ट जिला जजों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा था।



उम्र में अंतर को एक कारण बताकर कुछ राज्य कर रहे विरोध

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया

सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने यह बात तब कही जब वे

कुछ राज्य सरकारों द्वारा इस प्रस्तावित बढोतरी पर उठाए गए एक विरोध पर विचार कर रहे हैं। एमिक्स क्यूरी (नया या लय मित्र) और सी नियर एडवोकेटसिद्धांत भटनागर ने कोर्ट को बताया कि जो राज्य इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं, उन्होंने नया यिक अधिकारियों और राज्य सरकार के कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र में अंतर को एक कारण बताया है।

राज्य सरकार व हाईकोर्ट में समन्वय जरूरी

ज्ञात हो कि कोर्ट ने 22 जुलाई को हाई कोर्ट्स से कहा था कि वे न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर एक तय समय-सीमा में फैसला लें। अंतरिम व्यवस्था के तौर पर कोर्ट ने कहा था कि जहां राज्य सरकार और संबंधित हाई कोर्ट रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर सहमत हों, वहां संबंधित न्यायिक अधिकारियों को बढ़ी हुई रिटायरमेंट की उम्र तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जा सकती है। कोर्ट ने यह भी साफ किया था कि बढोतरी पर कोई भी अंतिम फैसला 1 अप्रैल, 2026 या उसके बाद होने वाली रिटायरमेंट पर लागू होगा।

मृत कार्यकर्ता के घर जा रही थी

ममता के काफिले पर कीचड़-जूते फेंके, लगे चोर-चोर के नारे



कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले पर हमले की खबर है। वे पुलिस हिरासत में मारे गए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने कांचरापाड़ा पहुंची थीं। इस दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने उनकी कार को घेरकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। कार पर कीचड़ और जूता भी फेंका गया। ममता ने कहा कि अगर कार की खिड़की खुली होती तो उनका सिर फूट जाता और मौत भी हो सकती थी।

ममता बोली- मेरा तो सिर ही फूट जाता

घटना के बाद ममता ने कहा, असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो मेरा सिर फूट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं आऊंगी, इसके बावजूद कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए। ये एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है।

भाजपा ने की घटना की निंदा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुवेदु अधिकारी ने कहा, अगर कोई पूर्व मुख्यमंत्री की गाड़ी पर पत्थर, कीचड़ या चप्पल फेंकता है, तो भाजपा उसका समर्थन नहीं करती है। इसमें भाजपा का कोई कार्यक्रम शामिल नहीं है और हम नहीं चाहते कि राज्य की पूर्व महिला मुख्यमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार हो। हम इस घटना की निंदा करते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो पुलिस तुरंत कार्रवाई करेगी।

छत्तीसगढ़ की ढोकरा ढलाई व पिटवा शिल्पकला 'एट होम' कार्यक्रम के निमंत्रण किट में

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के 'एट होम' कार्यक्रम के लिए इस वर्ष हस्तनिर्मित निमंत्रण किट तैयार करने वाले 130 शिल्पकारों की टीम में कभी नक्सल प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ के 50 कलाकार शामिल हैं। इस कार्यक्रम की मेजबानी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा की जाएगी। एनआईडी के निदेशक अशोक मंडल ने बताया, "निमंत्रण किट करीब

130 लोगों ने तैयार की है, जिनमें छत्तीसगढ़ के कभी वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित रहे बस्तर क्षेत्र के करीब 50 शिल्पकार शामिल हैं। यह समावेशी विकास और आजीविका के अवसरों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।" इस निमंत्रण किट में छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की समृद्ध शिल्पकला, परंपराओं व सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों और अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की एक टीम ने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इसकी परिकल्पना की है। यह किट स्थिरता, समावेशिता और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

तीन महीने से अधिक समय में किट हुई तैयार- एनआईडी के निदेशक अशोक मंडल ने बताया तीन महीने से इन शिल्पकारों ने एनआईडी के शिक्षकों, डिजाइनर और विद्यार्थियों के साथ मिलकर अपनी पारंपरिक व पर्यावरण-अनुकूल शिल्प तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए भारत के राष्ट्रपति की ओर से भेजी जाने वाली इस अनूठी निमंत्रण किट को तैयार किया। पूरी तरह हस्तनिर्मित और पर्यावरण-अनुकूल यह किट भारत की कलात्मक उत्कृष्टता, सतत प्रथाओं और पारंपरिक शिल्पकार समुदायों के सशक्तीकरण का प्रतीक है।

निमंत्रण किट में अन्य प्रदेशों की भी झलक- निमंत्रण किट में छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में पर्यावरण संरक्षण व सतत पर्यावरणीय तौर-तरीकों के प्रेरणादायक उदाहरणों को दर्शाया गया है। ये क्षेत्र पहाड़ियों, घुमावदार नदी प्रवाह और भरपूर हरियाली वाले समृद्ध प्राकृतिक परिदृश्य के लिए जाने जाते हैं। इन राज्यों की जीवंत लोक कला परंपराओं का इस्तेमाल करते हुए तैयार की गई यह निमंत्रण किट समुदायों, रचनात्मकता और संरक्षण के बीच गहरे परस्पर संबंध की झलक प्रस्तुत करती है।

छत्तीसगढ़ की इन शिल्पकला को किया शामिल- मंडल ने बताया कि निमंत्रण किट में छत्तीसगढ़ की ढोकरा ढलाई कला को शामिल किया गया है, जो भारत की सबसे पुरानी धातु शिल्प की परंपराओं में से एक है। उन्होंने बताया कि इसमें समुदाय की पवित्र उपवनों के संरक्षण की परंपरा को भी दर्शाया गया है, इसके अलावा लोहे से तैयार की जाने वाली 'पिटवा' शिल्पकला का इस्तेमाल किट के डिस्ले प्रेम और घंटी बनाने में किया गया है। अधिकारी ने बताया, "यह निमंत्रण किट उन कुशल शिल्पकारों और कारीगरों को समर्पित है, जो क्षेत्र की सदियों पुरानी ज्ञान परंपरा व विविध सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखे हुए हैं।

'जो खेलेगा वही खिलेगा'

हरिभूमि न्यूज़ ► नई दिल्ली

ग्लोबल कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगा लहराकर लौटे भारतीय दल का रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दिल्ली स्थित आवास पर भव्य स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने देश के पदक विजेताओं के साथ लंबी बातचीत की, उनके अनुभवों को सुना और उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूरे देश की तरफ से बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने एक वीडियो भी सेंशल मीडिया पर शेयर किया है, जो काफी तेजी से वायरल हो रहा है।



'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का दिया मूलमंत्र : बातचीत के दौरान जब खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री से कुछ कहने का आग्रह किया, तो पीएम मोदी ने देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाला अपना प्रसिद्ध संदेश दोहराया, 'जो खेलेगा, वो खिलेगा'। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए भारत माता की जय के नारे भी लगाए

सोशल मीडिया पर शेयर की मुलाकात की खास झलक

प्रधानमंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स के एथलीटों के साथ हुई इस खास मुलाकात की एक झलक अपने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके भी साझा की। इस वीडियो में वह गोल्ड मेडल विजेता मुकेशबाज साक्षी चौधरी समेत कई अन्य चौधरी के साथ खुशनुमा माहौल में संवाद करते दिख रहे हैं। वीडियो में साक्षी चौधरी ने पीएम मोदी की सादगी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री जी से मिलकर हमें बेहद खुशी हुई, वह बहुत ही विनम्र हैं।'

39 पदकों के साथ भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

उल्लेखनीय है कि ग्लोबल कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक अपनी झोली में डाले। इसमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज पदक शामिल हैं। इस जीत के साथ ही भारतीय खेमे का हैसिया बुलंद है और प्रधानमंत्री के साथ हुई इस मुलाकात ने एथलीटों के मनोबल को और अधिक बढ़ा दिया है।

कई खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

ग्लोबल कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक अपनी झोली में डाले। इसमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज पदक शामिल हैं। इस जीत के साथ ही भारतीय खेमे का हैसिया बुलंद है और प्रधानमंत्री के साथ हुई इस मुलाकात ने एथलीटों के मनोबल को और अधिक बढ़ा दिया है।

माइक्रोचिप की बदौलत 11 महीने से लापता बिल्ली, मालिक के पास लौटी

न्यूयार्क।

जिनके घर पर पालतू जानवर होते हैं, वो ही उनसे बिछड़ने का दुख समझ सकते हैं। अगर वह एक पल के लिए भी आँखों से ओझल हो जाए तो दिल बह जाता है। ऐसा ही अमेरिका के रहने वाले एक व्यक्ति के साथ हुआ था, जिनकी पालतू बिल्ली अचानक लापता हो गई थी। उनकी बिल्ली 11 महीनों से लापता थी और वह उसकी तलाश करते-करते थक चुके थे। हालांकि, बिल्ली में लगी माइक्रोचिप की बदौलत वह घर वापस लौट सकी। इस बिल्ली का नाम हैरियट है।

कर्मचारियों ने कही यह बात

इस बिल्ली का नाम हैरियट है, जो अब खुशी-खुशी अपने परिवार के साथ रह रही है। पशु नियंत्रण केंद्र के कर्मचारी यह नेक काम करके बेहद खुश हैं। उन्होंने इस मायुक्त कर देने वाली कहानी को सोशल मीडिया पर भी साझा किया। पोस्ट में लिखा गया, 'मिलिए हैरियट से। उसकी माइक्रोचिप की जानकारी अपडेट थी, इसलिए हम उसके परिवार से संपर्क कर पाए और उसे उससे मिला पाए। इससे माइक्रोचिप का महत्व भी उजागर हुआ है।

क्या है माइक्रोचिप का काम?

कर्मचारियों का कहना है, एक साधारण चिप आपके खोए हुए पालतू जानवर को घर वापस लाने में मदद कर सकती है। यहां तक कि लंबे समय तक अलग रहने के बाद भी। इससे सम्झना जा सकता है कि क्यों अधिकारी पालतू जानवरों पर माइक्रोचिप लगवाने की सलाह देते हैं। पालतू जानवरों में लगाई जाने वाली माइक्रोचिप चावल के दाने के आकार की चिप इम्प्लांट होती है। इसमें उनकी सारी जानकारी सेव की जाती है, ताकि उन्हें खोजा जा सके।

स्वास्थ्य जांच के बाद चला माइक्रोचिप का पता

यह बिल्ली अमेरिका के मिसौरी राज्य की सड़कों पर बेबस घूम रही थी। तभी अचानक रेमोर पशु नियंत्रण केंद्र के एक कर्मचारी की उस पर नजर पड़ गई। बस फिर क्या था, वह उसे उठाकर अपने केंद्र ले गए और उसकी स्वास्थ्य जांच करवाई। स्कैन करने के बाद पता चला कि बिल्ली के शरीर में एक माइक्रोचिप लगी हुई है। यही माइक्रोचिप बिल्ली के असली मालिक को खोलने का एक जरिया बन गई। जब कर्मचारियों ने बिल्ली के शरीर में लगी माइक्रोचिप को निकाला तो उन्हें उम्मीद की किरण नजर आई।

THE EPIC
SWIFT
TIME TO GO
#SWIFTING

6 Airbags | ESP* | ABS with EBD | Hill Hold Assist | Reverse Parking Sensors
3-Point ELR Seat Belts | Seat Belt Reminder | 3 years or 100 000 km Warranty*

SCAN TO
CONNECT
TO A SHOWROOM
NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT
WWW.MARUTISUZUKI.COM

CONTACT US AT
1800-102-1800

Terms and conditions apply. Please contact your nearest dealership for details. Features, accessories, and specifications may vary by variant and are subject to change without prior notice. All visuals are for creative representation only. Offers and prices may differ by variant, model, location, and city, and are subject to change or withdrawal without notice. Offer values represent the maximum applicable benefits and include consumer, exchange, and institutional/rural offers (where applicable) on select models. *The Effective Price of ₹5.48 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹5,000, Exchange/Scrappage bonus of ₹25,000, and rural/ISL offer of ₹10 from the ex-showroom price of ₹5.78 Lakh. The actual Effective Price may vary based on the customer's eligibility, profile, and applicable offers at the time of purchase. ESP is the registered trademark of Mercedes-Benz Group AG. Creative Visualization. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *3 years or 100 000 km, whichever is earlier. Extendable up to 6 years or 160 000 km, whichever is earlier. *Fuel efficiency as certified by test agency Rule 115 of CMVR 1989. Swift S-CNG is available in select variants only.

कमर-पेड़ में दर्द, खून की कमी, कमज़ोरी, हथेली-तलवों में जलन, हार्मोन्स असंतुलन, चिड़चिड़ापन आदि में सहायक

“90 वर्षों से No.1 वुमन हेल्थ टॉनिक”

हेमपुष्पा

Helpline: 011-23261111, rajvaidyacare@gmail.com

एनआईए की गिरफ्त में 10 आरोपी

89600 विस्फोटक छड़ें और 10500 शॉक ट्यूब ले जाने वाला पकड़ाया

एजेसी ► मलप्पुरम

केरल के मलप्पुरम में गैर-कानूनी विस्फोटक पदार्थों की एक बड़ी खेप बरामद होने के मामले में, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एक मुख्य आरोपी, हारिस टीए को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या दस हो गई है। हारिस को शनिवार को मलप्पुरम जिले के मंजेरी से गिरफ्तार किया गया। मुख्य साजिशकर्ता माने जाने वाले इस आरोपी की भूमिका इस मामले में जब्त किए गए विस्फोटक को गैर-कानूनी तरीके से हासिल करने में थी।



वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी

यह मामला 7 फरवरी, 2026 को मलप्पुरम में चेन्नाड-थलाप्पारा रोड पर स्थित 'फरहा होले डिवस कंपनी' के परिसर में खड़ी एक लॉरी से 89,600 विस्फोटक छड़ें और 10,500 शॉक ट्यूब जब्त किए जाने से जुड़ा है। केरल पुलिस ने इस खेप के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास विस्फोटक ले जाने या रखने के लिए कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी।

तीन राज्यों में 19 जगह छापेमारी

एनआईए ने इस मामले में जांच के दौरान तीन राज्यों में 19 जगहों पर छापेमारी की। हारिस की यह गिरफ्तारी, एनआईए द्वारा सात अगस्त को कर्नाटक के विजयपुरा से तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद हुई है। इस मामले में अब तक कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बड़ी साजिश और विस्फोटकों को गैर-कानूनी तरीके से हासिल करने और उनकी दुलाई की जांच अभी जारी है।



पीएफसी का लाभ मामूली बढ़कर 8,998 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) का एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 8,998 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही कंपनी का परिचालन राजस्व 28,526.86 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले यह 28,539.04 करोड़ रुपये था। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'वित्तवर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 8,998 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तवर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 8,981 करोड़ रुपये था।'

एफपीआई ने पहले सप्ताह की 12,921 करोड़ की शेयर खरीदी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की खरीदारी का विलसिला अगस्त में भी जारी है। विदेशी निवेशकों ने अगस्त के पहले



सप्ताह में भारतीय शेयरों में 12,921 करोड़ का निवेश किया है। बेहतर होती वृहद आर्थिक स्थिति, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपये की स्थिरता की वजह से एफपीआई के लिए भारतीय बाजार आकर्षक बना हुआ है। अगस्त का यह आंकड़ा जुलाई में किए गए 20,200 करोड़ के निवेश के बाद आया है।

पूंजीकरण में एसबीआई को हुआ सबसे अधिक लाभ

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से



भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक लाभ हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एफएसई का निफ्टी 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत के लाभ में रहा।

ब्रिक्स की अलग मुद्रा के पक्ष में नहीं है भारत : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत, ब्रिक्स समूह की अलग मुद्रा शुरू करने के पक्ष में नहीं है और ऐसी



किसी योजना का समर्थन नहीं करता है। ब्रिक्स समूह में दुनिया की उभरती और विकासशील 11 अर्थव्यवस्थाएं - ब्राजील, चीन, मिश्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। यह समूह वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श तथा सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम करता है।

हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस को 66.26 करोड़ का नुकसान



नई दिल्ली। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस को जून तिमाही में 66.26 करोड़ रुपये का एकीकृत नुकसान हुआ है। 'बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट' कंपनी ने बताया कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 11.16 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 1,050.36 करोड़ रुपये पर लगभग स्थिर रहा। कंपनी का वित्तवर्ष 2025-26 की जून तिमाही में परिचालन राजस्व 1,056.23 करोड़ रुपये रहा था।

सुधारों की रफ्तार बढ़ाने, कारोबार सुगमता बेहतर करने की जरूरत

एजेंसी ►► नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के चेयरमैन आर सी भागव ने केंद्र और राज्य सरकारों से आर्थिक सुधारों की रफ्तार तेज करने तथा कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर करने के प्रयास बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से ऐसे सुधारों और कार्यक्रमों का समर्थन करने को कहा है, जो देश में संपत्ति और रोजगार के नए अवसर पैदा करते हैं। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में शेरधारकों को दिए संदेश में भागव ने कहा कि सरकार और विपक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुधारों से पैदा होने वाले अतिरिक्त संसाधनों का इस्तेमाल अधिक न्यायपूर्ण और समान

मारुति के चेयरमैन का केंद्र और राज्य सरकारों से अपील

देश का कार बाजार 63 लाख इकाई सालाना पहुंचा

मारुति का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2030-31 तक भारत का कार बाजार 61 लाख से 63 लाख इकाई सालाना तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में छोटी कारों की मांग पिछले पांच साल की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर, 2025 से नई जीएसटी दरें लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में मारुति सुजुकी की खुदरा बिक्री में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई।



पहली तिमाही में बिक्री 38 फीसदी बढ़ी

मार्च, 2026 के अंत में कंपनी के पास करीब 1.9 लाख लंबित बुकिंग थीं। इसका प्रमुख कारण मांग वाले मॉडल के लिए उत्पादन क्षमता का पर्याप्त नहीं होना था। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़ी, जबकि पूरे उद्योग की वृद्धि 28 प्रतिशत रही। इसी अवधि में छोटी कारों की बिक्री में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

चांदी के आभूषणों की जांच क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू

सोने के दाम चढ़ने के बाद चांदी के आभूषणों की मांग बढ़ी, हॉलमार्किंग क्षमता बढ़ाएगा बीआईएस

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच चांदी के आभूषणों की बढ़ती मांग को देखते हुए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उनकी (चांदी के आभूषणों की) जांच क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। बीआईएस अगले दो साल में देशभर में चांदी के आभूषणों की जांच के लिए 'संदर्भ' और 'परीक्षण' प्रयोगशालाओं का होगा विस्तार।

उप महानिदेशक (प्रयोगशाला) निशात एस हक ने बताया कि चांदी के आभूषणों की जांच की बढ़ती जरूरत को देखते हुए संगठन ने अपनी तैयारियों का आकलन कर लिया है और अब अपनी प्रयोगशालाओं में बड़े पैमाने पर जांच के लिए तैयार है।

खास बातें

- सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों पर एचयूआईडी नंबर दिया जा रहा
- नंबर से उपभोक्ता आभूषणों की शुद्धता की जांच कर सकता है



चांदी की हॉलमार्किंग अभी स्वेच्छिक: हक ने कहा कि अगले करीब दो साल तक बीआईएस अपनी मौजूदा प्रयोगशालाओं के जरिये बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करने में सक्षम होगा। इस अवधि के दौरान देशभर में संदर्भ और परीक्षण प्रयोगशालाओं का विस्तार किया जाएगा। चांदी की हॉलमार्किंग वर्ष, 2005 से स्वेच्छिक है।

चांदी के आभूषणों की संख्या 59 लाख हुई

सितंबर, 2025 से हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्क यूनिफाइड फिफिकेशन (एचयूआईडी) नंबर भी दिया जा रहा है, जिससे उपभोक्ता आभूषण की शुद्धता की जांच कर सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में हॉलमार्क किए गए चांदी के आभूषणों की संख्या बढ़कर 59 लाख हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 32 लाख थी।

जांच बाहरी प्रयोगशालाओं को नहीं सौंपा जाता

फिलहाल देशभर में करीब 230 संदर्भ और परीक्षण केंद्र बीआईएस से मान्यता प्राप्त हैं जो चांदी के आभूषणों की जांच करते हैं। हक ने कहा कि हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की बाजार निगरानी के तहत होने वाली सभी जांच बीआईएस अपनी प्रयोगशालाओं में ही करता है। इस काम को बाहरी प्रयोगशालाओं को नहीं सौंपा जाता।

बीआईएस ने 2.70 लाख उत्पाद नमूनों की जांच की

हक ने कहा कि हॉलमार्क वाले आभूषणों की बाजार निगरानी के लिए बीआईएस ने अपनी प्रयोगशाला व्यवस्था के भीतर ही संदर्भ (रेफरल) और परीक्षण (एसे) प्रयोगशाला स्थापित की है। बीआईएस ने पिछले वर्ष करीब 2.70 लाख उत्पाद नमूनों की जांच की।

संगठन की देशभर में 10 प्रयोगशालाएं

संगठन के पास फिलहाल देशभर में अपनी 10 प्रयोगशालाएं हैं, जबकि मान्यता प्राप्त निजी और सूचीबद्ध सरकारी प्रयोगशालाओं का व्यापक नेटवर्क भी उसके साथ जुड़ा है। हक के अनुसार, वर्ष 2014 में बीआईएस के साथ करीब 147 मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं और 24 सूचीबद्ध सरकारी प्रयोगशालाएं थीं। अब इनकी संख्या क्रमशः 440 और 350 हो गई है।

कुल 23 हजार मानक निर्धारित

बीआईएस ने कुल करीब 23,000 मानक निर्धारित किए हैं, जिनमें लगभग 700 अनिवार्य हैं। बीआईएस जांच की गति बढ़ाने, पारदर्शिता सुधारने और मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स का इस्तेमाल भी बढ़ाने पर काम कर रहा है।

कच्चे तेल की कीमतें और महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

इस सप्ताह जारी होंगे मुद्रास्फीति के आंकड़े

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और इस सप्ताह जारी होने वाले मुद्रास्फीति के आंकड़े स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार की चाल को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे।

रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशकों की नजर जुलाई के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा भंडार के ताजा आंकड़ों पर रहेगी। इनसे महंगाई के रुख और बाह्य क्षेत्र की स्थिति का संकेत मिलेगा। मिश्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजों का दौर भी



14 अप्रैल को मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे

स्वस्तिका इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि पिछले सप्ताह नई समाप्त होना मूल्यव्यवस्था पहली बार लागू होने के कारण यह बाजार का प्रमुख आकर्षण रही। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक दृष्टि से भी यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा। भारत में 12 अगस्त को सीपीआई आधारित और 14 अगस्त को डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे।

गति पकड़ेगा। इस सप्ताह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत फोर्ज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बाजार की नजर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और ईंधन से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर रहेगी।

कोटक महिंद्रा बैंक ने पेश किया 'हाइब्रिड होम लोन'

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कोटक महिंद्रा बैंक ने ग्राहकों को आवास ऋण की मासिक किस्त (ईएमआई) को लेकर अधिक निश्चिंता देने के उद्देश्य से 'हाइब्रिड होम लोन' पेश किया है। इसके तहत ग्राहक 65 महीने तक अपने आवास ऋण की ब्याज दर तय रख सकेंगे। बैंक ने रविवार को जारी बयान में कहा कि घर खरीदना किसी परिवार की वित्तीय यात्रा की शुरुआत भर होता है। शुरुआती वर्षों में परिवारों को घर की साज-सज्जा, बच्चों की



इस योजना के तहत ग्राहक 39, 52 या 65 महीने की निश्चित ब्याज दर अवधि चुन सकते हैं। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रेपो दर में बदलाव होने पर भी उनके ऋण की ब्याज दर और ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होगा बैंक फिलहाल 7.6 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर आवास ऋण उपलब्ध करा रहा है।

अवधि पूरी होने पर ऋण स्वतः प्लोटिंग होगा

निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद ऋण स्वतः परिवर्तनीय (फ्लोटिंग) ब्याज दर व्यवस्था में बदल जाएगा, जो रेपो दर और ऋण स्वीकृति के समय तय किए गए अतिरिक्त मार्जिन (स्पेड) से जुड़ी होगी। बैंक के अनुसार, एक करोड़ रुपये के आवास ऋण पर यदि ब्याज दरें हाल के उच्च स्तर तक बढ़ती हैं, तो उधारकर्ता को 3.46 लाख रुपये तक की बचत हो सकती है।

बिकवाली से सोयाबीन और पाम तेल दाम में गिरावट

नई दिल्ली। लागत से कम दाम पर बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम में गिरावट आई। इसके अलावा सुस्त कामकाज के बीच मूंफली तेल-तिलहन के दाम में भी मामूली गिरावट रही। दूसरी ओर, आवक कम रहने और आगामी त्योहारों



(ऋण साख-पत्र या एलसी) घुमाते रहने के लिए माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं।

समाज के निर्माण में किया जाए। भागव के अनुसार, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के बाद देश के वाहन उद्योग की वृद्धि की संभावनाएं बेहतर हुई हैं।

नई उत्पादन लाइन को लचीला बना रही

भागव ने कहा कि कंपनी अब अपनी नई उत्पादन लाइन को अधिक लचीला बना रही है, ताकि मांग के अनुसार इसमें बदलाव किया जा सके। इससे बाजार में मांग बढ़ने पर कंपनी तेजी से उत्पादन बढ़ा सकेगी। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र पर भागव ने कहा कि भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने के लिए किसी एक प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहने के बजाय कई प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करना होगा।

दिसंबर तक संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करेगा पीएनबी

ब्याज से इतर आमदनी बढ़ाने होगी सेवा शुरू

एजेंसी ►► नई दिल्ली

ब्याज से इतर आमदनी बढ़ाने के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) इस साल दिसंबर तक अपनी संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने यह जानकारी दी। चंद्रा ने कहा, 'हमारी संपत्ति प्रबंधन योजना का पहला कदम यह सुनिश्चित करना था कि बैंक के पास ग्राहक संबंध प्रबंधक (सीआरएम) मौजूद हों। छह महीने पहले हमने 1,700 शाखाओं में लगभग 1,700 सीआरएम तैनात किए। उनका मुख्य काम हर शाखा के 250 से 300 बड़े और प्रमुख ग्राहकों



के कामकाज को देखना है।' सरकारी क्षेत्र का यह बैंक अब इस महीने के अंत तक 1,300 और सीआरएम तैनात करने की योजना बना रहा है। इन्हें चुनी गई अन्य 1,300 शाखाओं में तैनात किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया, यह हमारा पहला कदम था। संपत्ति प्रबंधन पहल के लिए हमने सलाहकारों से भी बात करना शुरू कर दिया है। सीईओ ने कहा, बहुत जल्द हम इस सेवा के लिए भागीदार तैनात करने की प्रक्रिया शुरू करने वाले हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले तीन से चार महीनों में हमारी संपत्ति प्रबंधन सेवा पूरी तरह तैयार हो जाएगी।

अलग विभाग के रूप में चलाया जा रहा

क्रेडिट कार्ड कारोबार के बारे में बात करते हुए चंद्रा ने कहा कि बैंक इस क्षेत्र के विस्तार पर काम कर रहा है, जिसे एक महाप्रबंधक की देखरेख में अलग विभाग के रूप में चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया, 'बैंक के पास 31 मार्च, 2025 तक केवल 6.6 लाख क्रेडिट कार्ड धारक थे। हालांकि, हमने इसमें बड़ी संभावनाएं देखीं और कारोबार को तेजी से बढ़ाने का फैसला किया। सबसे पहले एक डिजिटल ढांचा तैयार किया गया, जिसमें हमें लगभग पांच महीने का समय लगा।'

इस सप्ताह पांच कंपनियों के आईपीओ

एजेंसी ►► नई दिल्ली

वाहन कलपुर्जा विनिर्माता धृत ट्रांसमिशन, टेमासेक समर्थित शिपरॉकेट और मिलकी मिस्ट डेयरी फूड सहित पांच कंपनियां इस सप्ताह अपने आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) लाने जा रही हैं। इन आईपीओ के जरिये कंपनियां कुल मिलाकर 7,400 करोड़ रुपये से अधिक से जुटाने की योजना बना रही हैं। रोगों की त्वरित जांच उपकरण बनाने वाली कंपनी मौलबायो डायग्नोस्टिक्स और धृत ट्रांसमिशन का आईपीओ 10 अगस्त को खुलेगा। इसके बाद 11 अगस्त को मिलकी मिस्ट डेयरी फूड का आईपीओ खुलेगा। ई-कॉमर्स कारोबार के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध कराने वाली



कंपनी शिपरॉकेट और इंजीनियरिंग कास्टिंग तथा मिश्रधातु इस्पात उत्पाद बनाने वाली बिहारी लाल इंजीनियरिंग का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा। इन पांचों कंपनियों का लक्ष्य सार्वजनिक निगम के जरिये करीब 7,443 करोड़ रुपये जुटाना है। इससे अगले सप्ताह प्रारंभिक बाजार में काफी गतिविधियां रहने की उम्मीद है। ईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने और अन्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

मिलकी मिस्ट 1,553 करोड़ का ला रही निर्गम

मिलकी मिस्ट डेयरी फूड का 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 अगस्त को 133-140 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे पर खुलेगा। इसमें 1,428 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 125 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश होगी। शिपरॉकेट ने 1,617 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 92-97 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 885.50 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

बिहारी लाल का आईपीओ 12 को खुलेगा

बिहारी लाल इंजीनियरिंग का 302 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने 271-285 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 93 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारक 73.20 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे।

हुंडई को दूसरी तिमाही से निर्यात के आंकड़े में सुधार की उम्मीद

एजेंसी ►► नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से निर्यात कारोबार में मजबूत सुधार की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा है कि



प्रमुख बाजारों में मजबूत मांग और बेहतर बकाया ऑर्डर की वजह से निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है। कंपनी के निर्यात में वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 19.6 प्रतिशत का गिरावट आई है और यह 38,708 इकाई रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 48,140 वाहनों का निर्यात किया था। गर्ग ने विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा कि पिछले वित्त वर्ष के अंत में शुरू

हुए अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर पहली तिमाही में भी पश्चिम एशिया के निर्यात पर पड़ा। इसके अलावा, जून में उत्पादन में आई अस्थायी बाधा की वजह से भी निर्यात की मात्रा प्रभावित हुई। हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी के निर्यात कारोबार की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। प्रमुख बाजारों में ऑर्डर का अच्छा 'बैकलॉग' है और ग्राहकों की मांग भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी पूरे वित्त वर्ष के लिए आठ से 10 प्रतिशत की समग्र वृद्धि के अनुमान को हासिल करने को लेकर आश्वस्त है।

एक्सटर का पहली बार एलएचडी संस्करण पेश

एक्सटर के बाएं हाथ की ओर से चलाए जाने वाले (एलएचडी) संस्करण को पहली बार पेश किया गया है। इसके निर्यात की शुरुआत चालू तिमाही में हुई है और तीसरी तिमाही तक इसे 13 बाजारों में पहुंचाने की योजना है। हालांकि, गर्ग ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते माल ढुलाई से जुड़ी चुनौतियां अभी बनी हुई हैं।

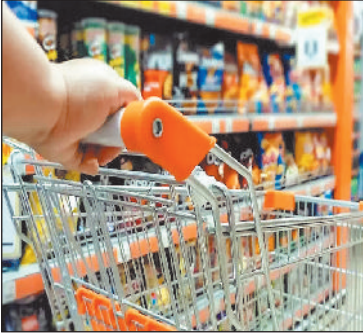
कच्चे माल की बढ़ती लागत से कंपनियां दाम बढ़ाने मजबूर रोजमर्रा सामानों के दाम बढ़ा सकती हैं कंपनियां

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कच्चे माल की बढ़ती लागत, जिसों की महंगाई और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच देश की रोजमर्रा के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां सितंबर के कुछ कंपनियां घाटा का वजन उठा सकती है। तिमाही में चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं।

कंपनियों का मानना है कि उपभोक्ता मांग, प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और राजस्व वृद्धि के चलते बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है। एफएमसीजी क्षेत्र की कंपनियों ने जून तिमाही में कीमतों में औसतन दो से पांच प्रतिशत तक बढ़ोतरी की थी।

मानसून और अल नीनो पर नजर : अब मौजूदा तिमाही में लाभप्रदता बनाए रखने के लिए कुछ कंपनियां पैक का वजन घटाकर या चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ाने जैसे कदम उठा रही हैं। साथ ही वे महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा मानसून और अल नीनो जैसे मौसम संबंधी जोखिमों पर भी नजर बनाए हुए हैं।



मौजूदा तिमाही में भी बढ़ सकती है कीमतें : गोदरेज

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) मौजूदा तिमाही में भी कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि, कंपनी फिलहाल जिस कीमतों का रुख रखत होने तक कोई बड़ा फैसला नहीं लेना चाहती। कंपनी के मुख्य कार्यालय अधिकारी सुधीर सीतापति ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के कारण कंपनी ने अब तक बड़ी मूल्य वृद्धि से परहेज किया है।

बिस्कुट के पैक का वजन कम करेंगी : ब्रिटानिया

बेकरी उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा कि चीनी और पाम तेल की ऊंची कीमतों के कारण वह पांच रुपये और 10 रुपये वाले बिस्कुट पैक का वजन घटाकर सितंबर तिमाही में कीमतों में करीब 1.5 से दो प्रतिशत की प्रभावी बढ़ोतरी करेगी।

कच्चे माल की ऊंची लागत बनी रह सकती है : डाबर इंडिया

डाबर इंडिया ने कहा कि बिकट भविष्य में कच्चे माल की ऊंची लागत बनी रह सकती है। ऐसे में कंपनी लाभप्रदता बनाए रखने के लिए चुनिंदा मूल्य वृद्धि के साथ उत्पादकता और लागत दक्षता पर विशेष ध्यान देगी। कंपनी को मजबूत बांड, नए उत्पादों की श्रृंखला और प्रभावी क्रियान्वयन के दम पर वित्त वर्ष 2026-27 में दोहरे अंक की राजस्व वृद्धि का भरोसा है।

दो से पांच फीसदी वृद्धि संगवत : एचयूएल

हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के भी सितंबर तिमाही में विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में कीमतें बढ़ाने की संभावना है। कंपनी का अनुमान है कि अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में सितंबर तिमाही में महंगाई दो से पांच प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जितनी सीटें, उतने...

देना होगा। एक बार प्राथमिकता भरने के बाद उसमें बदलाव नहीं किया जा सकेगा। अग्रणी का चयन उन्हीं पक्षों के लिए होगा, जिन्हें उसने अपनी प्राथमिकता सूची में रखा है।

15 दिन में दस्तावेज...

कार्यालय में उपस्थित होकर कार्यक्रम ग्रहण करना होगा। समय पर उपस्थित नहीं होने पर नियुक्ति पत्र जारी होने के 30 दिन बाद पद रिक्त माना जाएगा। यदि अग्रणी आर्बिट्र पद के निर्धारित मापदंड पूरे नहीं करता पाया गया तो उसे नियुक्ति आदेश नहीं मिलेगा। उसे उसी पक्षीक्षा में किसी दूसरे पद पर भी स्थानांतरित नहीं किया जाएगा और उसकी अग्रथिता समाप्त हो जाएगी।

अब तक धान...

बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 102 प्रतिशत है। वहीं धान रोपा का लक्ष्य 9.70 लाख हेक्टेयर है, जिसके मुकाबले 9.36 लाख हेक्टेयर में रोपाईं पूरी हुई है। धान की बोनी एवं रोपाईं को मिलाकर कुल 36.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में काम पूरा हो चुका है। जो लक्ष्य का 93 प्रतिशत है। 61 प्रतिशत दलहन फसलों की बोनी - दलहन फसलों में अरहर की बोनी 94.81 हजार हेक्टेयर, मूंग 11.32 हजार हेक्टेयर, उड़द 75.09 हजार हेक्टेयर और कुल्थी 1.68 हजार हेक्टेयर में हुई है। दलहन फसलों का कुल क्षेत्रफल 182.90 हजार हेक्टेयर है, जो निर्धारित लक्ष्य का 61 प्रतिशत है। तिलहन फसलों में मूंगफली की बोनी 47.53 हजार हेक्टेयर, तिल 14.95 हजार हेक्टेयर, सोयाबीन 12.21 हजार हेक्टेयर, रमणितल 1.27 हजार हेक्टेयर तथा सूरजमुखी शुष्क से मामूली क्षेत्र में हुई है। तिलहन का कुल बोनी क्षेत्र 75.96 हजार हेक्टेयर है।

राजनांदगांव: अठ्ठी बारिश ने दी खेतों को संजीवनी, धान की फसल में लौटी जान- राजनांदगांव, कवर्धा, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, खैरागढ़, मोहला। शनिवार को दुर्ग संगम के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश से खेती-किसानों को बड़ी राहत मिली है। बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के खेतों में नमी लौटने से धान समेत खरीफ की अन्य फसलों को बढ़वार को फायदा मिलने की उम्मीद है। राजनांदगांव में धान को राहत- राजनांदगांव जिले में धान की फसल को शनिवार की बारिश से विशेष राहत मिली है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कई किसान बारिश के इंतजार में थे। खेतों में नमी बढ़ने से धान की फसल की बढ़वार बेहतर होने की उम्मीद है। बारिश के बाद किसान अब खाद डालने और निराई-गुड़ाई जैसे कृषि कार्यों की तैयारी में जुट गए हैं। दुर्ग जिले में रोपाईं कार्य में जुटे किसान- दुर्ग जिले में शनिवार की रात हुई बारिश ने खेती-किसानों की उम्मीदें और बढ़ा दी है। जिले में अब तक 110 प्रतिशत औसत वर्षा हो गई है। जिसकी वजह से धान रोपाईं का काम अंतिम चरण में है। जिले में कुल खरीफ फसल का रकबा 146.36 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल है। इसमें से 134.50 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान की फसल ली गई है। धान की बुआई 86.452 हेक्टेयर क्षेत्रफल में होनी है जिसमें से 98 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। इसी तरह रोपाईं

अहलूवालिया हॉस्पिटल नेमीचंद गल्ली, रामसागर पाटा, स्टेशन रोड रायपुर	• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खरॉटे
---	---

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल ९आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425	• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बाइपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बच्चों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
---	---

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Ggms, Homa1R शिव मंदिर चौक, अर्वाति विहार, रायपुर, फ़ोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756	डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIG FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
--	---

epaper- www.haribhoomi.com

Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है- अनुभवी

कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार चलाने में सक्षम हो (Manual / Automatic) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेंट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9301922223 (41608)

आवश्यकता है- शहर के

मध्य प्रतिष्ठित लॉज में कार्य करने हेतु वेंटर एवं सुपरवाइजर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 786999 19506 (41610)

आवश्यकता है- E v i n c e p u b

Publishing, कोनी (बिलासपुर) में बुक पब्लिशिंग हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर (लड़के/लड़कियाँ) चाहिए। MS Word, Excel एवं Canva का ज्ञान आवश्यक। संपर्क: 6260711728, 91718 10321 (41579)

आवश्यकता है- प्लाईवुड, हाईडवेयर शोरूम में काउंटर/ बिलिंग हेतु सेल्समैन/सेल्सगर्ल, मार्केटिंग हेतु सेल्समैन, मेहनती कार्य हेतु 10वीं पास व्यक्ति चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-सरस्वती ट्रैडिंग एजेंसी पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर (41601)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में ड्राइवर कि आवश्यकता है जो ऑटोमेटिक Desire और WagonR चला सके सम्पर्क करें- 9893285943, 9229858916 (41573)

आवश्यकता है- जीवविज्ञान (बायो) एवं वाणिज्य (कॉमर्स) पढ़ाने हेतु योग्य, अनुभवी शिक्षिकाओं की आवश्यकता है (बायोडाटा स्कूल में आकर जमा करें) सम्पर्क करें- होली क्रॉस हायर सेकेंडरी स्कूल मौला बिलासपुर 07752 444092, 9406143202 (41595)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीशियन एवं महिला सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है इलेक्ट्रीशियन को 3 फेज वायरिंग का, अनुभव आवश्यक। अनुभवी उम्मीदवार सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर 6264315731 (41588)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाईं। वेतन 8000-20000 पता- साई सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तीरवा बिलासपुर 9893041578, 8085233213, 72238 21623, 7440981254 (41602)

आवश्यकता है- सोनोग्राफी सेंटर के लिए टायरिड, सिस्पाइनल गार्ड, क्लीनर, ड्राइवर, एक्सरे टेक्नीशियन, रिस्पॉन्सिबल की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री गोपाल साहू डायनोस्टिक सेंटर, जुनी लाइन, बिलासपुर 97552 30012, 9770128995 (41587)

आवश्यकता है- **आया बाई** (हॉस्पिटल एवं घरेलू कार्य हेतु) **नर्सिंग स्टॉफ काउंटर स्टॉफ** **सम्पर्क करें** **सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल** **ममरगढा रोड, बिलासपुर** **07752-226296, 402543**

आवश्यकता है- ऑनलाइन कॉम्सेटिग सामान के पार्सल पैकिंग हेतु लड़के, लड़कियाँ की आवश्यकता है, वेतन 8000/- कार्य समय 10 से 8, सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज, गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 81091 67000 (41606)

आवश्यकता है- मॉड्युलर किचन हार्डवेयर फिटिंग्स की मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000 से 15000+ कमीशन सम्पर्क करें- श्रीसाई कृपा कॉम्प्लेक्स उसलापुर 90989 09757, 8827146987 (41605)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनखा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 9754293974 (41596)

आवश्यकता है- घरेलु/ ऑफिस ऊपरी कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़का (बाइक चालना आता हो, वेतन 7500) एवं घरेलू कुकिंग हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैंड बिलासपुर 7067124226. 92384 21379 (41578)

33,178 हैक्टेयर में किसान कर रहे हैं। जिसमें 80 प्रतिशत रोपाईं कार्य हो गया है। किसानों ने बताया कि खेती-किसानों के लायक बारिश फिलहाल हो चुकी है। कृषि उपसंचालक संदीप कुमार भोंई का कहना है कि जिले में धान और दहनली-तिलहन फसलों के लिए पर्याप्त बारिश हो चुकी है। स्थिति सामान्य है। उसके बावजूद भी किसानों को बीमा करवाना जरूरी है। 14 अगस्त तक किसान अपनी फसलों का बीमा करवा सकते हैं।

कबीरधाम में खरीफ फसलों को फायदा- कबीरधाम जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश के बाद किसानों में उत्साह देखा गया। धान के साथ मक्का, सोयाबीन और दलहन फसलों को बारिश से फायदा मिलने की संभावना है।

मोहला- मानपुर- चौकी- जिले में अल्प वर्षा के कारण किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है जब वनांचल में अभी तक कम बारिश दर्ज की गई है। आंकड़ों की माने तो मानपुर में 73 फीसदी बारिश हुई है। किसानों को अच्छी बारिश की उम्मीद है।

एक बारिश काफी नहीं, आगे भी चाहिए पानी- किसानों से जब हरिभूमि ने चर्चा की तो उनका कहना है कि खरीफ फसल के लिए आने वाले दिनों में भी नियमित अंतराल पर बारिश जरूरी है। खासकर धान की फसल अभी ऐसे दौर में है, जहां लंबे समय तक बारिश का अंतराल होने पर खेतों में नमी की कमी फसल की बढ़वार को प्रभावित कर सकती है। बालोद में संकट में खेती-

इधर बालोद जिले में अल्प वर्षा के कारण किसानों में मायूसी देखी जा रही है। यहां धान के अलावा सोयाबीन, अरहर और अन्य खरीफ फसल को बारिश का इंतजार है। किसानों द्वारा अब जलाशयों से पानी छोड़ने की मांग भी शुरू कर दी गई है।

ज्यादा बरसे बढ़ा,...

बारिश होती है, इसके बाद कई दिनों तक बारिश का नजारा नहीं होता है। ऐसे में बारिश का पानी खेतों से बहकर नदी नाले में चला जा रहा है, जिससे खेत फिर से सूखे हो गए हैं।

परसहापारा से 200...

और बचे शामिल हैं। प्रभावित ग्रामीणों को बिजराकछर के शासकीय स्कूल और पंचायत भवन में ठहराया गया है। प्रशासन के अनुसार, वनगाम मंजुरा में छह परिवारों के करीब 20 लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। कारिंडोवारी में वन विभाग ने बाद प्रभावित चार परिवारों के करीब 20 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। लौरमी नगर में भी नगरपालिका ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया है।

किया गया शिफ्ट- मिनियारी नदी की बाढ़ से करीब 50 परिवार प्रभावित हुए हैं। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है और उनके भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है। चंदन शर्मा, सीएमओ

घरों में घुसा...

परिवार बताए जा रहे हैं और लगभग पूरा गांव बाढ़ से प्रभावित है। गांव का आधा हिस्सा जलमग्न हो गया है, जबकि शेष क्षेत्र चारों ओर से पानी से घिरा है। कुछ ग्रामीणों को मवेशियों की देखभाल के लिए गांव में ही रहने दिया गया है। बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। प्रभावित परिवारों के लिए राशन और भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

तेल की कीमतों...

अब ई-वाहनों का शेयर 12 फीसदी हो गया है। इसके कारण पेट्रोल वाहनों का शेयर अब 88 प्रतिशत पर आ गया है। दो माह पहले जब पेट्रोल संकट के कारण राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल पंपों में लंबी लाइनें लगीं तो लोगों को इस बात का अहसास हुआ कि आने वाले समय में पेट्रोल का संकट और बढ़ा तो क्या होगा। ऐसे में लोगों ने इसके विकल्प के रूप में ई-वाहनों की तरफ जाना

प्रारंभ किया है। इधर ई-20 पेट्रोल के कारण भी अब लोगों का मोह पेट्रोल वाले वाहनों से कम हो रहा है।

जुलाई में बिके...

2249 कमशियल वाहन 5009 ट्रक बिके हैं। कुल मिलाकर जुलाई में ई-वाहन, पेट्रोल और सीपनजी वाले सभी प्रकार के वाहनों को मिलाकर 53194 वाहन बिके हैं। यह बीते माह जून से 8.25 फीसदी ज्यादा है। जून में 49138 वाहन बिके थे।

अब तक अलनीनो...

समेत 21 स्टेशनों में 60 मिमी. से 160 मिमी. तक भारी से अतिभारी बारिश हुई। यह सिस्टम दो दिन कमजोर जैसा रहेगा, इसके बाद एक नया ऊपरी हवा का चक्रीय चकवाती परिसंचरण 11 अगस्त को उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे लगे प्रदेश बंगाल बांग्लादेश के ऊपर बनने के आसार हैं। इसके असर से भी प्रदेश में बरसात का दौर आने वाले दिनों में जारी रहेगा। साथ ही अगस्त के शेष दिनों में एक से दो सिस्टम बनने की गुंजाइश है, जो राज्य के कुल वर्षा को औसत यानी 1142 मिमी. के 75 से 80 फीसदी कोटा को पूरा कर सकता है।

महिलाओं को सशक्त...

रखा गया है। इसका सीधा संबंध है कि महिला के नाम पर मिला निवाचित पद परिवार के किसी दूसरे सदस्य के जरिए संचालित नहीं किया जा सकेगा। अब चुनौती इस बात की होगी कि इन प्रावधानों का जमीनी स्तर पर कितना प्रभावी किम्वनयन होता है। महिला आरक्षण का उद्देश्य केवल महिलाओं को चुनाव जिताना नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में वास्तविक अधिकार और नेतृत्व देना है। जत्तीसगढ़ में पंचायतों से लेकर नगरिय निकायों तक प्रांक्सी व्यवस्था पर दबती सख्ती इसी व्यापक सवाल से जुड़ी हुई है।

‘सरपंच पति’ का...

संभालते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सीधे ‘सरपंच पति’ के खिलाफ कोई देशव्यापी प्रतिबंध लगाने का आदेश नहीं दिया था। अदालत ने इस समस्या को पंचायती राज मंत्रालय के स्तर पर उठाने और उचित समाधान तलाशने का रास्ता बताया था। इसके बाद केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने महिला निवाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के प्रतिनिधि के तौर पर काम करने यानी प्रांक्सी व्यवस्था के मुद्दे पर विचार के लिए समिति गठित की। समिति ने अपनी रिपोर्ट में राज्यों को ऐसी व्यवस्था रोकने के लिए कई उपाय सुझाए।

पहले ही उठाय...

संबंधी कामकाज में हस्तक्षेप को रोकने के निर्देश दिए हैं। जिस महिला को जनता ने चुना है, पंचायत की बैठक से लेकर निर्णय लेने तक उसकी भूमिका भी वही निभाए। केवल चुनाव जीतने के बाद वास्तविक अधिकार परि था किसी दूसरे रिश्तेदार के हाथ में चले जाने की स्थिति को प्रांक्सी प्रतिनिधित्व माना जाता है।

भाजपा की आज...

भाजपा की तिरंगा यात्रा का आगाज होगा। प्रदेश में 14 अगस्त तक तीन हजार से ज्यादा स्थानों पर तिरंगा यात्रा निकलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर देश के हर राज्य में भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान 10 से 15 अगस्त तक चलेगा। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी यह अभियान चलेगा। इसको लेकर प्रदेश संगठन ने तैयारी पूरी कर ली है। सबसे अहम तिरंगा यात्रा है। इसका प्रारंभ राजधानी रायपुर से किया जा रहा है। इसको लेकर रायपुर शहर और ग्रामीण की बैठक भी हो चुकी है। सभी मंडलों को भी बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में कार्यकर्ताओं के साथ आम जनों को लाने का जिम्मा दिया गया है।

सभी जन प्रतिनिधि होंगे शामिल -

तिरंगा यात्रा में जहां मुख्यमंत्री और दोनों डिप्टी सीएम रहेंगे, वहीं जो भी मंत्री राजधानी में रहेंगे, वे साथ शामिल होंगे। इसके अलावा रायपुर के सांसद बुजमोहन अगवाल, विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मौलीलाल साहू, राजेश मृगत, महापौर मौल चौबे, नगर निगम के सभी पार्षद, प्रदेश भाजपा के महामंत्री यशवंत जैन, नवीन मार्कंडेय, अखिलेश सोनी सहित संगठन के

HMS ARSH-RAHAT बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें	आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा अर्श-राहत आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा	असली केंदवा मलहम दवा पर केदार महाम लिखा देखे। रजि.नं.: 573034वीं देखकर खरीदें। अनिलनर का हेलीमान (हरि) देखकर खरीदें। दाद, रसाव, खुजली, केंदवा के लिये। 94060-21769
---	---	---

सभी पदाधिकारी, रायपुर शहर और ग्रामीण जिले के पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

महादेव मंदिर में...

गया। लगभग द्वाई सौ साल पुराने इस मंदिर में भक्त मोटर बोट एवं नाव के जरिए सागर के बीच में स्थित मंदिर में पहुंचते हैं और भूपालेश्वर महादेव के दर्शन करते हैं। दलपत सागर के बीच टापू पर स्थित इस मंदिर में शाम होते ही यहां मौजूद हरे भरे पेड़ पौधों में हजारों की संख्या में अलग-अलग प्रजाति को पक्षी मौजूद रहते हैं। कई पक्षियों का यह रहवास बन गया है। बस्तर राजपरिवार के सदस्य ने बताया कि लगभग आज से द्वाई सौ साल पहले बस्तर के काकतीय चालुक्य राजा दलपत देव ने जगदलपुर की नींव रखकर इसे अपनी राजधानी बनाई थी। महाराजा दलपत देव ने राजधानी जगदलपुर में विशाल तालाब खुदवाया जो कि महाराजा के नाम पर ही दलपत सागर के रूप में प्रसिद्ध है। महाराजा दलपत देव के चार-पांच पौढ़ियों बाद बस्तर के राजा बने भूपाल देव जिनकी शासन की अवधि 1842 से 1853 तक मात्र 11 वर्ष थी। महाराजा भूपाल देव भगवान शिव के परम भक्त थे, इन्होंने अपनी रानी वृंढकुवर बघेलीन की प्रेरणा से दलपत सागर के बीच शिव मंदिर बनवाया था। यह मंदिर उनके नाम पर भूपालेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। सन 1962 तक इस मंदिर तक पहुंचने के लिए जनों की व्यवस्था रहती थी। सांसद महेश कश्यप कृी पहल पर प्राचीन शिव मंदिर तक श्रद्धालुओं के लिए विशेष मोटरबोट सेवा सुबुह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित की जा रही है।

त्रिवेणी संगम पर...

जलस्तर बढ़ने के साथ कुलेश्वरनाथ मंदिर चारों ओर से पानी से घिर जाता है। कई बार बाढ़ का पानी मंदिर के चबूतरे तक पहुंच जाता है। अभी पिछले सप्ताह बाढ़ के दौरान भी नदी का पानी मंदिर के चबूतरे के ऊपर तक पहुंच गया था। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था कम नहीं हुई। कुछ वर्ष पहले तक बाढ़ के दिनों में कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन करना बेहद कठिन हो जाता था। कुछ वर्ष पहले जब लक्ष्मण झूला नहीं बना था, तब बाढ़ के दौरान श्रद्धालुओं को नदी तट से ही भगवान की आरती और पूजा-अर्चना जल अर्पित कर भक्त अपनी श्रद्धा प्रकट करते थे। अब लक्ष्मण झूला के निर्माण से स्थिति काफी बतल गई है। राजिम और नवापारा, दोनों शहर की ओर से श्रद्धालु आसानी से मंदिर तक पहुंचकर पूजा-अर्चना कर पा रहे हैं। बाढ़ के दौरान भी श्रद्धालु लक्ष्मण झूला के रास्ते भगवान कुलेश्वरनाथ के दर्शन कर लेते हैं। माव्यता है कि भगवान श्रीराम के वनवास के दौरान माता सीता ने यहां शिवलिंग की स्थापना की थी। कालांतर में यही शिवलिंग श्रीकुलेश्वरनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ। ऐतिहासिक दृष्टि से भी यह मंदिर करीब छठवीं शताब्दी का बताया जाता है। मंदिर में ठाकुर पुजारियों द्वारा परंपरागत रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। बाढ़ के समय जब मंदिर तक पहुंचना संभव नहीं होता था, तब नदी के तट से ही आरती कर भगवान मोलेनाथ का स्मरण करते थे।

महानदी के बीच...

लगभग 100 मीटर तक नदी का पानी पार कर मंदिर पहुंचना पड़ता है, जबकि बाढ़ के समय यह मार्ग और भी कठिन हो जाता है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था कम नहीं होती और वे जोखिम उठाकर भगवान मोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि धारेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास लगभग 1100 वर्ष पुराना माना जाता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इसका संबंध सातवाहन काल से है। यहां प्राचीन काल में एक भव्य शिव मंदिर था, जिसे मुगलकाल में वध्वस्त कर दिया गया। इसके बाद यह स्थल लंबे समय तक खंडहर बना रहा और भगवान शिव का शिवलिंग चट्टानों के बीच खुले स्वरूप में विराजमान रहा। 1994-95 में महानदी में आई भीषण बाढ़ के बाद मंदिर स्थल पर प्राचीन मंदिर का एक शिल्पखंड दिखाई दिया। स्थानीय रमेश देवांगन ने इसकी खुदाई कराई। बाढ़ में श्रद्धालुओं के सहयोग से आगे की खुदाई में पांच-छह पिलरगुमा प्राचीन अवशेष प्राप्त हुए, जिन्हें ग्रामीण प्राचीन शिव मंदिर के अस्तित्व का प्रमाण मानते हैं। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 1982-83 में जनसहयोग से वर्तमान मंदिर का निर्माण कराया गया था। अब धमतरी के गुप्ता परिवार के सहयोग से लगभग 1 करोड़ 20 लाख रूपय की लागत से मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार करया जा रहा है।

HMS ARSH-RAHAT बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें	आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा अर्श-राहत आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा	असली केंदवा मलहम दवा पर केदार महाम लिखा देखे। रजि.नं.: 573034वीं देखकर खरीदें। अनिलनर का हेलीमान (हरि) देखकर खरीदें। दाद, रसाव, खुजली, केंदवा के लिये। 94060-21769
---	---	---

epaper- www.haribhoomi.com	आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी Contact For Advertisement Booking Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur Mo.- 9826782100
---	--

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार चलाने में सक्षम हो (Manual / Automatic) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेंट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9301922223 (41608)	आवश्यकता है- जीवविज्ञान (बायो) एवं वाणिज्य (कॉमर्स) पढ़ाने हेतु योग्य, अनुभवी शिक्षिकाओं की आवश्यकता है (बायोडाटा स्कूल में आकर जमा करें) सम्पर्क करें- होली क्रॉस हायर सेकेंडरी स्कूल मौला बिलासपुर 07752 444092, 9406143202 (41595)
--	---

आवश्यकता है- आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलू कार्य हेतु) नर्सिंग स्टॉफ काउंटर स्टॉफ सम्पर्क करें सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल ममरगढा रोड, बिलासपुर 07752-226296, 402543	आवश्यकता है- Vespa टूल्हीनर शोरूम में अनुभवी स्मार्ट सेल्स ऑफिसर युवती की आवश्यकता है योग्यता ग्रेजुएट, वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- मां वैष्णवी मोटर्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9179999901, 8878073373 (41575)
---	--

आवश्यकता है- फर्निशिंग दुकान में काम करने हेतु 10 लड़के, 10 लड़कियाँ चाहिए पता- वीआर फर्निशिंग विशाल मेगा मार्ट, KFC के बाजू में अशोक नगर चौक के पास, सीपौट रोड बिलासपुर 9893127584 (41586)

आवश्यकता है- श्रेष्ठ डेंटल लैब में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसर सम्पर्क करें- LIC ऑफिस के पास, राजकिशोर नगर बिलासपुर 8103333630 (41591)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शोरूम में सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- रत्नपुरम ज्वेलर्स कम्पनी गार्डन के सामने बिलासपुर 91111 13779 (41592)

आवश्यकता है- अनुभव रिस्पॉन्सिबल हॉस्पिटल मैनेजमेंट, हॉस्पिटल के प्रचार प्रसार हेतु अनुभवी PRO (फील्ड वर्क, लैब टेक्नीशियन। पता- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपाठा सरकेंडा बिलासपुर 7470946314, 62619 71453 (41580)

आवश्यकता है- मोबाईल दुकान में कार्य करने हेतु दो युवकों की तत्काल आवश्यकता है। योग्यता 10वीं पास सैलरी 12000 अतिशोध सम्पर्क करें- हरमन सेल्स पंजाबी कॉलोनी दयालबंद बिलासपुर 70004 70007 (41583)

आवश्यकता है- ट्रामा केयर एण्ड नर्सिंग होम में वार्ड बॉय एवं गार्ड की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- अंकुर ट्रामा केयर एण्ड नर्सिंग होम मिनोका कॉलोनी बिलासपुर 9827162325, 7400730011 (41574)

अश्मिता ने जीता कोरिया मास्टर्स, एक सप्ताह में भारत का दूसरा बीडब्ल्यूएफ खिताब



■ चालिहा ने चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान को 53 मिनट में दी मात

एजेसी ►► आसन

भारत की अश्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता।

असम की रहने वाली इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व में 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 53 मिनट तक चले मैच में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इस तरह से भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दूसरे सप्ताह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का

2024 में कोरिया ओपन में चोटिल हुई थी अश्मिता

अश्मिता 2024 में कोरिया ओपन के दौरान चोटिल हो गई थी। उनके दाहिने घुटने में चोट लगी थी, जिसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने अगले साल फरवरी में वापसी की और 14 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस साल उन्होंने बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार वापसी करते हुए चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल और फिर मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

यह अविश्वसनीय : अश्मिता

विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है लेकिन मैं इसे समझने की कोशिश कर रही हूँ। इसने मेरी आगे और भी कुछ हासिल करने की भूख बढ़ा दी है।' चालिहा ने कहा, 'पहले गेम में ड्रिप्ट की वजह से थोड़ी मुश्किल हुई, इसलिए मैं इस पर नियंत्रण नहीं बना सकी लेकिन दूसरे गेम में दूसरी तरफ स्थिति बेहतर थी और ड्रिप्ट कम थी, इसलिए मैं इसे नियंत्रित कर पाई। तीसरे गेम में 11 प्वाइंट के बाद, मैंने फिर से रणनीति बदली, इसलिए मैं बेहतर स्थिति में थी। मुझे खुशी है कि मैं यह कर पाई।

खिताब जीता। तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार को ताइपे ओपन का खिताब अपने नाम किया था।

चालिहा ने की अच्छी शुरुआत

फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले 3-0 और फिर 9-5 से बढ़त हासिल कर ली। लेकिन हान ने शानदार वापसी की और उन्होंने स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया। चीनी शटलर ने अपनी लय हासिल करने के बाद लगातार अंक बनाए और मैच पर नियंत्रण बना दिया। इसके बाद उन्हें पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। चालिहा ने दूसरे गेम में अधिक आत्मविश्वास के साथ आक्रामक खेल दिखाया और अपने स्मैश का अच्छा इस्तेमाल करते हुए हान पर दबाव बनाया।

चालिहा को मिला चैंपियनशिप प्वाइंट

भारतीय खिलाड़ी ने एक कॉंस-कोर्ट विनर से स्कोर 19-14 कर दिया। इसके बाद हान ने अपना रिटर्न शॉट बाहर मार दिया, जिससे चालिहा को चैंपियनशिप प्वाइंट मिल गया और फिर उन्होंने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने में देर नहीं लगाई।

वॉर्म मैच : भारत ने 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया

जायसवाल की वापसी और सिराज का धमाका, श्रीलंका-11 पर आसान जीत

एजेसी ►► कोलंबो

यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की उपयोगी पारियों के बाद मोहम्मद सिराज के तूफानी अंदाज ने भारत को तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका क्रिकेट एकादश पर 6 विकेट से शानदार जीत दिला दी। जीत के लिए 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 45 ओवर में 4 विकेट पर 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। सिराज ने महज 15 गेंदों में लगातार 3 छक्कों की मदद से नाबाद 32 रन ठोके। पहली पारी में खाता खोले बिना आउट होने वाले जायसवाल ने दूसरी पारी में जोरदार वापसी की। उन्होंने केवल 46 गेंदों पर 61 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

कप्तान गिल ने वापसी करते हुए बनाए 44 रन

लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल और गिल ने पहले विकेट के लिए 105 रन की आक्रामक साझेदारी कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। जायसवाल अर्धशतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड हुए, ताकि टीम के अन्य बल्लेबाजों को भी अभ्यास का पर्याप्त मौका मिल सके। अंगुली की चोट के कारण मैच के शुरुआती दो दिन मैदान से बाहर रहे कप्तान गिल ने वापसी करते हुए 44 रन बनाए। वह स्पिनर केशरा नुवांथा की गेंद पर आउट हुए। गिल की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी भारत के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पहले टेस्ट से पहले बड़ी सकारात्मक खबर रही। ध्रुव जुरेल ने 17 रन का योगदान दिया, जबकि ऋषभ पंत ने धैर्यपूर्ण 28 रन की पारी खेली। एक समय भारत का स्कोर तीन विकेट पर 155 रन हो गया था। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अंतिम सत्र में जीत की औपचारिकता पूरी की, जहां सिराज के बल्ले से अंतिम ओवर में लगे लगातार 3 छक्कों ने भारतीय खेमे का पूरा मनोरंजन किया।



पंत ने खेली 21 डॉट बॉल

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के साथ प्रैक्टिस मैच की दूसरी पारी में काफी नाटकीय बैटिंग की। उन्होंने पहली पारी में सस्ते में निपटने के बाद दूसरी पारी में खाता खोलने के लिए 22 गेंद लीं। पंत ने छक्के के साथ खाता खोला और इस तरह का शॉट लगाया कि गेंद मैदान से बाहर चली गई और खो गई। इससे पहले उन्होंने, जो 21 गेंद खेली थी उनमें कोई भी स्कोरिंग शॉट नहीं था। पंत का यह बैटिंग का अनोखा तरीका रहा। इससे पहले कभी वे ऐसे नहीं खेलें।



नंबर 1 सबालेंका को हराकर अलेक्जेंड्रोवा ने किया उलटफेर

एजेसी ►► टोरंटो

कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों में बेलारूस की टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका का नाम भी जुड़ गया है। 19वीं रैंकिंग वाली रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला। इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम 16 के मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। यह अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने इगा स्वियातेक (मियामी 2024) और सबालेंका (दोहा 2025) को हराया था। यह उनका छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल है और दोहा 2025 के बाद पहला मौका है जब वह इस स्टेज तक पहुंचने में सफल रही है।

कनाडा ओपन : 19वीं रैंकिंग वाली एकातेरिना ने बनाई फाइनल में जगह



अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में जीता पहला सेट

दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी, जिसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में पहला सेट जीता। सबालेंका ने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को गुनाकर दूसरा सेट अपने नाम किया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा सेट भी पहले सेट जैसा ही रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कई मुकाबले के दौरान कई बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। अलेक्जेंड्रोवा ने चार बार की ब्रैड स्लैम विजेता को हार की कगार पर पहुंचा दिया और सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 5-4 के स्कोर पर सर्विस करनी पड़ी।

ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने मेघवाल

एजेसी ►► यूजीन

बसंत कुमार मेघवाल विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जबकि शाहनवाज खान ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया और प्रतियोगिता में उसके कुल पदकों की संख्या तीन पहुंच गई।

19 वर्षीय मेघवाल ने शनिवार को चैंपियनशिप के चौथे दिन 2.21 मीटर की कूद लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और रजत पदक जीता। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने स्वर्ण पदक, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक हासिल किया। तीनों पदक विजेता केवल 2.21 मीटर की ऊंचाई तक कूद लगा सके और 2.24 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। ऐसी स्थिति में पिछली ऊंचाई पार करने के प्रयासों की संख्या के आधार पर स्थानों का निर्धारण किया गया। अयाची ने अपने पहले प्रयास में ही 2.21 मीटर की ऊंचाई पार कर ली थी, जबकि मेघवाल और पूल ने क्रमशः अपने दूसरे और तीसरे प्रयास में यह ऊंचाई हासिल की थी।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप

एथलेटिक्स में ऐतिहासिक दिन शाहनवाज ने लंबी कूद में जीता कांस्य



शाहनवाज ने लगाई सर्वश्रेष्ठ छलांग

इसके बाद शाहनवाज ने पुरुषों की लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या को तीन तक पहुंचा दिया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। उन्होंने क्रमशः 7.67 मीटर, 7.72 मीटर, 7.84 मीटर, 7.52 मीटर, 7.83 मीटर और 5.37 मीटर छलांग लगाई। फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय आरसी जिथिन अर्जुनान ने अपने पहले और चौथे प्रयास में 7.59 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर अठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल इन्जोली ने 7.97 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकगोडर ने 7.96 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक हासिल किया।

लेक्सिंगटन ओपन : फाइनल में अमेरिकी जोड़ी को हराया

पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने जीता डबल्स टाइटल

एजेसी ►► लेक्सिंगटन

भारत के निकी कलियांडा पूनाचा और इक्वाडोर के गोंजालो एस्कोबार की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेक्सिंगटन ओपन में मॅस डबल्स का खिताब अपने नाम किया।

पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने एक सेट गंवाने के बाद बेहतरीन वापसी की। तीसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने केंटकी के लेक्सिंगटन में खेले गए फाइनल में अमेरिकी जोड़ी आंद्रे इलगान और कालि पोलिंग को 6-7 (1), 6-3, 11-9 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। पूनाचा-गोंजालो को फाइनल मैच जीतने में एक घंटा और 42 मिनट का समय लगा। यह पूनाचा का 11वां एटीपी चैलेंजर डबल्स खिताब और 2026 सीजन का पांचवां खिताब था। एटीपी चैलेंजर सर्किट पर पूनाचा और एस्कोबार का यह साथ में पहला खिताब है।

पूनाचा-गोंजालो ने हासिल किए

लगातार चार अंक

सुपर टाई-ब्रेक में, कोई भी जोड़ी दो अंकों से ज्यादा की बढ़त नहीं बना पाई और मुकाबला बराबरी का बना रहा। हालांकि, पूनाचा और एस्कोबार 7-9 के स्कोर के साथ हार के कगार पर थे। इसके बाद पूनाचा-गोंजालो की जोड़ी ने लगातार चार अंक हासिल करके मैच का पासा पलट दिया। इस दौरान उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए और फिर शानदार वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया।



भारतीय-इक्वाडोरियन जोड़ी ने किया शुरुआती ब्रेक हासिल

पहले सेट में, भारतीय-इक्वाडोरियन जोड़ी ने चौथे गेम में शुरुआती ब्रेक हासिल किया, लेकिन सातवें गेम में अपनी सर्विस गंवावे के कारण वे पिछड़ गए। टाई-ब्रेक में, पूनाचा और एस्कोबार कोई जवाब नहीं दूढ़ पाए और पहले सेट को 6-7 से गंवा बैठे। इस जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे गेम में ब्रेक हासिल किया। उन्होंने पूरे सेट के दौरान अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर नौवें गेम में एक और निर्णायक ब्रेक हासिल करके मैच को सुपर टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया।

एजेसी ►► बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंट्र ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का पुरजोर तरीके से बचाव करते हुए इसके प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि खिलाड़ियों की चोट से उबरने की धीमी प्रक्रिया के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि क्रिकेटर कोई 'मशीन' नहीं हैं, जिनकी फिटनेस हर बार तय समयसीमा के भीतर लौट आए। लक्ष्मण ने यह भी स्पष्ट किया कि सीओई और टीम प्रबंधन के बीच बेहतरीन और निर्बाध समन्वय है। लक्ष्मण ने कहा कि कड़े फिटनेस मानकों और मानव शरीर



की प्रकृति को देखते हुए किसी खिलाड़ी का एक निश्चित समयसीमा में पूरी तरह फिट हो जाना हमेशा संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, 'यह समझना बहुत जरूरी है कि दिशानिर्देश और समयसीमा हमारी अपेक्षाओं के आधार पर तय की जाती हैं।

सीओई फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं

फिलहाल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, हरफनमौला हर्षित राणा, हार्दिक पांड्या, वीशिंगटन सुंदर और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन अपनी-अपनी चोटों से उबरने के लिए सीओई में हैं। लक्ष्मण ने सीओई में कहा, 'सीओई सिर्फ चोट से उबरने और फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं है। क्रिकेटर्स को उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करने के लिए इसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी है। इसलिए हम चोटों के मामले में 'वोष' शब्द का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते। ऐसा करने पर किसी एक व्यक्ति को बलि का बकरा बनाया जाता है।

जब घुटना, कंधा या कमर दर्द सताए तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं

‘डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल’ आज ही ले आएं



घुटना दर्द

कंधा दर्द

कमर दर्द

कलाई दर्द



यहां से भी खरीदें

amazon | Flipkart | blinkit | zepto

अब दर्द भी घुटने टेकेगा...

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल जोड़ों के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लम्बे समय तक बना रहता है।

Dr. Juneja's

डा. ऑर्थो

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

Clinically Tested*

*For efficacy and safety



सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से ट्रेंड कर रहा है, जिसमें एक युवक नीले रंग की सिंगल सीटर गाड़ी में बैठकर हवा में उड़ते हुए नजर आ रहा है।

उत्तराखंड के युवक ने बनाई उड़ने वाली कार, 12 मिनट में पूरा करेगी 40 मिनट का सफर!

देहरादून। दिखने में ये बहुत छोड़ी सी है और इसमें पहियों के बजाय चारों तरफ कुल 8 पंखड़ियां लगी हुई हैं। इन्हीं की मदद से वो हरे भरे घास के मैदान के बीच से टेक ऑफ करता है और करीब 20 फीट की ऊंचाई पर रहते हुए पूरे ग्राउंड का चक्कर लगाकर वापस उसी जगह सुरक्षित लैंड कर लेता है। ठीक 1 मिनट 37 सेकंड के इस वीडियो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि सरकार मदद करे या न करे, लेकिन प्रतिभाएं गतिशील होकर अपना काम करती रहती हैं।

बिजली से चलती है ये गाड़ी

जब इस वीडियो की पड़ताल की गई तो पता चला कि ये वीडियो गुरुवार सुबह उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में आर्मी हेलीपैड पर शूट किया गया है। जो शख्स इस उड़ने वाली गाड़ी को चला रहा है उसका नाम रवि टन्टा है, जो पेशे से हपिडा स्कॉड प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी का फाउंडर और सीईओ है। ये प्रोटोटाइप उन्हीं की कंपनी ने बनाया है, जिसका आज उन्होंने सफल परीक्षण किया है। रवि पिछले कई सालों से इसे बनाने में लगे थे, जो पूरी तरह बिजली से चले, एकदम सुरक्षित हो और मॉडर्न हो।

पहला पर्सनल फ्लाईंग व्हीकल है

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रवि टन्टा ने बताया कि भारत में बना ये पहला पर्सनल फ्लाईंग व्हीकल है। उनके मुताबिक जिस दूरी को सड़क मार्ग से तय करने में करीब 40 मिनट लगते हैं, वही दूरी हवा के रास्ते इस वाहन से करीब 12 मिनट में पूरी की जा सकती थी। रवि का कहना है कि वे अभी इस मशीन को और ज्यादा सुरक्षित और ताकतवर बनाने के लिए आगे कई और टेस्ट करेंगे। उनका विजन है कि ऐसी तकनीक को विकसित करना है जिससे जिससे लोग छोटी दूरी के सफर के लिए सड़क के साथ-साथ हवाई रास्ते का भी इस्तेमाल कर सकें।

पहले भी कर चुके हैं कई प्रयोग

इससे पहले रवि ने एक स्टिक भी बनाई थी, जिसका इस्तेमाल आज उत्तराखंड फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में हो रहा है। यह स्टिक मोबाइल चार्ज करती है, टॉप का काम करती है। इतना ही नहीं, उन्होंने 2007 में बोल के अंदर ही बैट्री बनाकर बल्ब जलाया था। इसके अलावा, साल 2019 में उन्होंने एक इलेक्ट्रोलैंग्विड पीप मशीन बनाने का दावा किया था, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को कम समय में चार्ज किया जा सकता था।

रोचक खबरें

मंगल ग्रह पर पैरों के पास वसंत तो सिर पर जमा देने वाली ठंड!

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर तापमान को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जो हैरान कर देने वाला है। अक्सर जब हम किसी ग्रह के तापमान की बात करते हैं, तो पूरे इलाके का एक जैसा मौसम दिमाग में आता है। हमारी पृथ्वी पर ऐसा ही होता है जमीन और आस-पास की हवा का तापमान करीब करीब एक समान रहता है। लेकिन, मंगल ग्रह पर यह नियम पूरी तरह टूट जाता है। लाल ग्रह का वातावरण इतना अजीब और अनूठा है कि एक इंसान की लंबाई के दायरे में ही दो अलग-अलग मौसम होते हैं। मंगल ग्रह पर एक ही समय में इंसान के शरीर के दो अलग-अलग हिस्से दो अलग-अलग मौसमों का अहसास कर सकते हैं। अगर कोई इंसान मंगल ग्रह की भूमध्य रेखा पर दोपहर के समय खड़ा हो, तो उसके पैरों को वसंत जैसी गर्मी का अहसास होगा, जबकि उसके सिर को हाड़ कपाने वाली सर्दी महसूस होगी।

वातावरण इतना अजीब और अनूठा है कि एक इंसान की लंबाई के दायरे में ही दो अलग-अलग मौसम होते हैं। मंगल ग्रह पर एक ही समय में इंसान के शरीर के दो अलग-अलग हिस्से दो अलग-अलग मौसमों का अहसास कर सकते हैं। अगर कोई इंसान मंगल ग्रह की भूमध्य रेखा पर दोपहर के समय खड़ा हो, तो उसके पैरों को वसंत जैसी गर्मी का अहसास होगा, जबकि उसके सिर को हाड़ कपाने वाली सर्दी महसूस होगी।

एसी के बगैर ठंडी रहेगी बिल्डिंग, वैज्ञानिकों ने बनाया दुनिया का सबसे ज्यादा सफेद पेंट

वॉशिंगटन। तापमान में लगातार होती वृद्धि के साथ ही इमारतों को ठंडा रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। इसके चलते दुनिया भर में एयर कंडीशनिंग की मांग बढ़ती जा रही है। एयर कंडीशनर यानी एसी घरों को ठंडा तो रखता है लेकिन यह बिजली की खपत को बहुत बढ़ाता है, जिससे ऊर्जा खर्च और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है। लेकिन, अब वैज्ञानिकों ने ऐसी खोज की है जो बिना एसी के ही इमारतों को गर्म होने से रोकेगी और उन्हें ठंडा रखने में मदद करेगी। पदार्थ यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों की एक टीम ने इस दिशा में बड़ी खोज की है। सफेद रंग गर्मी को सबसे कम अवशोषित करता है। इसलिए इंजीनियरों ने इस नई कोटिंग को तैयार किया है, ताकि सूरज से आने वाली लगभग सारी ऊष्मा को छतों और दीवारों पर अवशोषित किए जाने के बजाय वापस लौटा दिया जाए। लेब में हुई जांच में शोधकर्ताओं ने बताया कि यह पेंट सूरज की रोशनी का लगभग 98.1% हिस्सा रिफ्लेक्ट करता है। यह किसी भी सफेद बाहरी पेंट और पहले प्रयोग किए गए वर्शन से बेहतर है। एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स और इंटरफेस जर्नल में छपी रिसर्च में टीम ने इस पेंट को अब तक की सबसे अच्छी परफॉर्मेंस वाी सिंगर-लेयर रेंडिग्टिव कूलिंग कोटिंग बताया है। रिसर्च टीम ने कई तरह के प्राकृतिक रूप से सफेद पदार्थों की तुलना करने के बाद मुख्य पदार्थ के तौर पर बेरियम सल्फेट को चुना।

PRP/GFC तकनीक द्वारा गंजेपन का इलाज

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पंचपेटी नाका, धमती रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. रासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

बवासीर के मुख्य कारणों में एक है कब्ज और बवासीर से असरदार राहत के लिए ज़रूरी है

डबल एक्शन

कब्ज और बवासीर दोनों पर



सिड्पाईल्स®

टैबलेट

अभयामृत

कब्ज के लिए

कब्ज और पाचन सुधारने में सहायक

प्राकृतिक रूप से पाएँ राहत दर्द, सूजन, खुजली

मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करें : 844 844 4935

रिसर्चस

एलियंस का डर या चांद पर कब्जे की तैयारी?

बीजिंग। चीन के लूनर बेस पर काम कर रहे रिसर्चर्स के एक ब्लूप्रिंट के मुताबिक रोबोट कुत्ते एक दिन चांद पर रास्ता दिखा सकते हैं और रिसर्च स्टेशनों की निगरानी कर सकते हैं। इसमें कहा गया है ये रोबोट डॉग्स चांद पर खतरों का पता लगा सकते हैं और एस्ट्रोनाट्स को वैज्ञानिक रूप से कीमती चट्टानें खोजने में मदद कर सकते हैं। इस सिद्धांत में तीन एस्ट्रोनाट्स को स्मार्ट मशीनों के साथ काम करते हुए दिखाया गया है। जब कू चांग की सतह की खोज करेगा तो एक एस्ट्रोनाट दो रोबोट कुत्तों को इलाके में आगे ले जाएगा, जबकि दूसरा चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करेगा और विस्तृत वैज्ञानिक काम करेगा। चीन की प्रमुख स्पेसक्राफ्ट बनाने वाली संस्था 'चाइना एकेडमी ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी' के वैज्ञानिकों के मुताबिक तीसरा व्यक्ति वैन के आकार के प्रेशराइज्ड रोवर के अंदर रहेगा जो मिशन को कोऑर्डिनेट करेगा और जरूरत पड़ने पर दूसरे रोबोट्स को कंट्रोल करेगा।

मून बेस पर रोबोट कुत्तों की तैनाती करेगा चीन, वैज्ञानिक भी हैरान!

इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन पर काम कर रहा चीन

साउथ चायना मॉनिंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब चीन 'इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन' की योजनाओं पर तेजी से काम कर रहा है। यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास एक लंबे समय तक चलने वाला वैज्ञानिक केंद्र होगा जिसे रूस और अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर विकसित किया जा रहा है। देश का लक्ष्य 2030 से पहले चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारना है। उम्मीद है कि 2035 तक रिसर्च स्टेशन का एक बुनियादी वर्शन तैयार हो जाएगा जो नियमित प्रयोगों और संसाधनों के शुद्धआती इस्तेमाल में मदद करेगा। इसके बाद 2045 तक इसे चंद्रमा की कक्षा में घूमने वाले स्टेशन के साथ एक बड़े कॉम्प्लेक्स के तौर पर बढ़ाया जाएगा। इस महीने के आखिर में चीन के 'चांग-ई-7' मिशन को लॉन्च करने की उम्मीद है।

रोबोट कुत्ते करेंगे चीनी मिशन की सुरुआत

इस रिसर्च को लिखने वाले वैज्ञानिकों ने जुलाई में 'चाइनीज स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी' जर्नल में लिखा कि चीन इंसानी अंतरिक्ष उड़ान के दायरे को पृथ्वी की कक्षा से आगे बढ़ाकर चंद्रमा तक ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में चंद्रमा की खोज इस बात पर निर्भर करेगी कि फैसले अंतरिक्ष यात्रों ले और काम खुद-ब-खुद चलने वाले रोबोट करें। खासकर चंद्रमा के संसाधनों को निकालने और चंद्रमा पर इंसानों के लंबे समय तक रहने की व्यवस्था करने में रोबोट अहम भूमिका निभाएंगे जैसे कि जमी हुई बर्फ से पानी निकालना, खनिजों की माइनिंग करना, लावा द्रव्य को रखने की जगहों में बदलना और स्थानीय चीजों से निर्माण करना। वैज्ञानिकों ने लिखा है कि ये रोबोट डॉक्स रोजाना गश्त और जांच-पड़ताल, हवा और तापमान को निर्यंत्रित करने, रहने की जगहों की सफाई, पौधों की देखभाल और खाना बनाने जैसे रोजमर्रा के काम भी करेंगे।

मांस, शुगर, कार्बोहाइड्रेट... इंसानी दिमाग के तेज विकास के लिए सबसे जरूरी क्या है?

वॉशिंगटन। सैकड़ों साल से दशकों से इंसानी दिमाग के विकास की कहानी मांस के इर्द-गिर्द घूमती रही है। चार मिलियन सालों में इंसानी दिमाग के तेजी से विकास के लिए लंबे समय से मांस से मिलने वाले प्रोटीन और फैट के सेवन को सबसे ज्यादा अहम माना जाता रहा है। इस धारणा को एक हालिया नई रिसर्च ने चुनौती दी है। ये रिपोर्ट कहती है कि इंसानी दिमाग का विकास मांस ही नहीं, शुगर और कार्बोहाइड्रेट पर भी निर्भर करता है।

साइंस में 'इंसानी विकास में खाने की शुगर की अहम भूमिका', के शीर्षक से एक नई रिसर्च छपी है। इसके रिसर्चर्स ने होमिनिन के विकास के इतिहास में उनकी मैक्रो-न्यूट्रिएंट जरूरतों का मॉडल बनाया। उन्होंने पाया कि दिमाग के विकास रिपोर्ट कहती है कि फल और शहद से मिलने वाला ग्लूकोज और बाद में पकाए गए स्टार्च से मिलने वाला ग्लूकोज, दिमाग की ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। ऐसे में इंसानी खान-पान के विकास का फोकस प्रोटीन के साथ-साथ कार्बोहाइड्रेट पर भी आ गया। इंसानी दिमाग के विकास के लिए ग्लूकोज जरूरी पाया गया। इंसानी दिमाग को बहुत ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। दिमाग एक वयस्क शरीर के वजन का सिर्फ 2% हिस्सा होता है फिर भी यह शरीर की बेसल मेटाबोलिक दर का 20% हिस्सा इस्तेमाल करता है। पांच साल के बच्चे में यह आंकड़ा 66 फीसदी तक पहुंच जाता है। ऐसे में दिमाग मुख्य रूप से ग्लूकोज पर चलता है।

रिपोर्ट कहती है कि फल और शहद से मिलने वाला ग्लूकोज और बाद में पकाए गए स्टार्च से मिलने वाला ग्लूकोज, दिमाग की ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। ऐसे में इंसानी खान-पान के विकास का फोकस प्रोटीन के साथ-साथ कार्बोहाइड्रेट पर भी आ गया। इंसानी दिमाग के विकास के लिए ग्लूकोज जरूरी पाया गया। इंसानी दिमाग को बहुत ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। दिमाग एक वयस्क शरीर के वजन का सिर्फ 2% हिस्सा होता है फिर भी यह शरीर की बेसल मेटाबोलिक दर का 20% हिस्सा इस्तेमाल करता है। पांच साल के बच्चे में यह आंकड़ा 66 फीसदी तक पहुंच जाता है। ऐसे में दिमाग मुख्य रूप से ग्लूकोज पर चलता है।

इंसानी दिमाग के विकास के लिए ग्लूकोज जरूरी पाया गया। इंसानी दिमाग को बहुत ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। दिमाग एक वयस्क शरीर के वजन का सिर्फ 2% हिस्सा होता है फिर भी यह शरीर की बेसल मेटाबोलिक दर का 20% हिस्सा इस्तेमाल करता है। पांच साल के बच्चे में यह आंकड़ा 66 फीसदी तक पहुंच जाता है। ऐसे में दिमाग मुख्य रूप से ग्लूकोज पर चलता है।

सिर्फ मांस काफी नहीं

रिसर्चर्स ने पाया कि ग्लूकोज के लगातार स्रोत की जरूरत थी, जिसे अकेले मांस से आसानी से पूरा नहीं किया जा सकता था, खासकर आग पर काबू पाने से पहले। रिसर्चर्स ने होमिनिन विकास के अलग-अलग चरणों में खाने में कार्बोहाइड्रेट की उपलब्धता और ग्लूकोज की जरूरी मांग की तुलना करने वाला एक मॉडल बनाया। यह मॉडल खाने में जानवरों और पौधों से मिलने वाले भोजन के अनुपात के आधार पर छह चरणों में काम करता था। शुरुआत चिंपैंजी जैसे खान-पान से हुई और फिर आधुनिक शिकारी-संग्रहकर्ता समूहों में देखे जाने वाले अनुपात की ओर बढ़ा। टीम ने इसमें फॉसिल आइसोटोप अनुपात, दांतों की बनावट और जेनेटिक डेटा का इस्तेमाल किया।

क्या है रिसर्च का मतलब

स्टडी में इस बात पर गौर की गई कि इंसानी दिमाग के विकास और खान-पान के लिए इन नतीजों का क्या मतलब है। ये नतीजे जानवरों से मिलने वाले मांस को पूरी तरह से बाहर नहीं करते, लेकिन कार्बोहाइड्रेट को भी बराबर अहमियत देते हैं। इंसानी दिमाग के लिए दूसरी चीजों की अहमियत इससे पता चलती है। हम जब देखते हैं कि खान-पान ने इंसानी विकास और शरीर की बनावट को कैसे आकार दिया तो शुगर और स्टार्च पर ध्यान दिया जाना चाहिए। ये रिसर्च इंसानों और खाने में शामिल कार्बोहाइड्रेट के बीच लंबे रिश्ते की साफ तस्वीर शुगर और स्टार्च के सेवन से जुड़ी बहसों में मदद कर सकती है। यह बातचीत को उस दायरे से आगे ले जा सकती है, जो मांस और प्रोटीन पर केंद्रित रही है।

12 अगस्त को होगा साल 2026 का आखिरी सूर्य ग्रहण, 2 मिनट 18 सेकंड तक छाएगा अंधेरा

वॉशिंगटन। अगले सप्ताह करोड़ों लोग एक दुर्लभ खगोलीय घटना को देखने वाले हैं, जो इस साल का आखिरी सूर्य ग्रहण होगा। इस सूर्य ग्रहण को यूरोप से लेकर अमेरिका तक देखा जाएगा, लेकिन जगह के हिसाब से अलग-अलग जगह इसका बहुत अलग रूप सामने आएगा। ग्रीनलैंड के उत्तर पूर्वी स्पेन तक एक पतले गलियारे में लोग पूर्ण सूर्यग्रहण का दीदार करेंगे, तो यूरोप के ज्यादातर हिस्सों में यह एक गहरा आंशिक ग्रहण होगा। उत्तरी अमेरिका में रहने वालों को आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। सूर्य ग्रहण जहां आसमान देखने वालों को एक दिलचस्प नजारा दिखाएगा, वहीं, वैज्ञानिकों के लिए यह सूरज का बेहतर ढंग से समझने का मौका होगा। नासा का कहना है कि उसकी टीमें कहां दिखाई देगा सूर्य ग्रहण?

12 अगस्त को होने वाले पूर्ण सूर्य ग्रहण का मुख्य रास्ता स्पेन, आइसलैंड और ग्रीनलैंड से होकर गुजरेगा। इस संकरे रास्ते के बाहर भी करोड़ों लोग आंशिक सूर्य ग्रहण देख सकेंगे। मैड्रिड जो इस रास्ते के बाहर है, वहां 99.99% आंशिक ग्रहण दिखेगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने बताया है कि अलास्का से लेकर नॉर्थ कैरोलिना तक, अमेरिका के उत्तरी हिस्सों में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। हालांकि, इस सूर्य ग्रहण को भारत से नहीं देखा जा सकेगा, क्योंकि इसका रास्ता भारतीय उपमहाद्वीप के पास से नहीं गुजरेगा।

ROOP MANTRA

WORLD'S GREATEST BRAND 2016-18

INDIA'S MOST TRUSTED BRAND

Most Trusted Brand of Asia 2016

स्वस्थ एवं उज्ज्वल त्वचा के लिए

NEW Dr. Juneja's

रूप मंत्रा

Ayurvedic Face Cream & Face Washes

Paraben Free

Alcohol Free

Steroids Free

Silicon Free

Mineral Oil Free

Clinically Tested*

*For efficacy and safety

Roop Mantra

NEEM

Ayurvedic Hydrating Facewash

Roop Mantra

MIX FRUIT

Ayurvedic Hydrating Facewash

Roop Mantra

CUCUMBER

Ayurvedic Hydrating Facewash

Roop Mantra

ALOEVERA

Ayurvedic Hydrating Facewash

Roop Mantra

LIME & MINT

Ayurvedic Hydrating Facewash

24x7 Helpline No. : 87259 66666
www.roopmantra.com
Available at all medical & general stores

हर्षभूमि कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शिवंक सिंह बिहारी द्वारा हर्षभूमि पब्लिकेशनस, रिंग रोड नं. 2, गौतमपुर, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हर्षभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौतमपुर, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमंशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com